दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-100, भोपाल शनिवार 199 फरवरी 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

बुद्धिमान व्यक्ति दूसरों की गलती से सीखता है
स्वत: कुछ नहीं होता सब कुछ करना पड़ता है
- जै. एफ. कैनेडी

सिंगापुर की संसद में दिए बयान पर राजनयिक को तलब करना शोभा नहीं देता सीखने की जरूरतः शशि थरूर

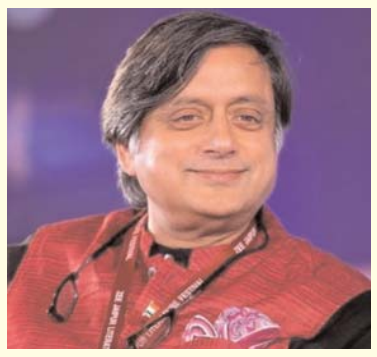

नई दिल्ली। कांग्रेस के सीनियर नेता शशि थरूर ने विदेश मंत्रालय की ओर से सिंगापुर के राजनयिक को तलब करने की आलोचना की है। थरूर ने शुक्रवार को कहा कि सिंगापुर के प्रधानमंत्री के संसद में दिए गए बयान को लेकर राजनयिक को तलब करना शोभा नहीं देता और यह सीखने की जरूरत है कि हर बात का बुरा नहीं मानना है। शशि थरूर ने ट्वीट किया, यह विदेश मंत्रालय को शोभा नहीं देता कि वह सिंगापुर जैसे मित्र देश के प्रधानमंत्री की ओर से वहां की संसद में की गई टिप्पणी के लिए उच्चायुक्त को सम्मन करे। वह (ली) एक सामान्य टिप्पणी कर रहे थे। गौरतलब है कि भारत ने सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग के भारतीय सांसदों पर आपराधिक आरोप संबंधी बयान पर गुरुवार को आपत्ति व्यक्त की। समझा जाता है कि विदेश मंत्रालय ने इस मुद्दे को सिंगापुर के उच्चायोग के समक्ष उठाया।

शेड्यूल बदलकर सिद्धू के लिए प्रचार करने पहुंचे सीएम चन्नी

अमृतसर। पंजाब विधानसभा चुनाव में लगातार बंटी नजर आई कांग्रेस अब एकजुटता दिखाने की कोशिश में जुटी है। सीएम चरणजीत सिंह चन्नी ने गुरुवार को नवजोत सिंह सिद्धू के लिए प्रचार किया। दोनों नेता एक ही गाड़ी पर सवार होकर रोडशो करते नजर आए। यही नहीं शुक्रवार को नवजोत सिंह सिद्धू भी सीएम चन्नी की दोनों सीटों चमकौर साहिब और भदौर में चुनाव प्रचार करने जाएंगे।

वित्तमंत्री का पूर्व पीएम पर पलटवार, आपको भारत को सबसे कमजोर बनाने के लिए याद किया जाएगा

नई दिल्ली.। देश की अर्थव्यवस्था को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करने पर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह पर पलटवार कर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि उन्हें भारत को सबसे कमजोर बनाने और भीषण महंगाई के लिए याद किया जाता है। सीतारमण ने मनमोहन सिंह पर आरोप लगाया कि वह राजनीतिक कारणों से भारत को पीछे खींचने का प्रयास कर रहे हैं,जबकि कोविड के बावजूद भारत सबसे तेजी से विकास करने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था है.

कार्टून

बुंदेलखंड में एकतरफा जीतेगी भाजपाः गृहमंत्री

गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने आज पत्रकारों को जानकारी देते हुए कहा कि कैबिनेट ने नर्मदा प्रगति-पथ को सैद्धांतिक स्वीकृति दी है। इसे भारतमाला प्रोजेक्ट में शामिल करने का प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजा जाएगा। 906 किलोमीटर लंबाई वाला यह एक्सप्रेस-वे प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

कैबिनेट ने प्रदेश में स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने के लिए एमपी स्टार्ट-अप नीति एवं कार्यान्वयन योजना 2022 का अनुमोदन किया है।

मध्यप्रदेश व्यावसायिक परीक्षा मंडल का नाम बदलकर कर्मचारी चयन बोर्ड करने के प्रस्ताव को कैबिनेट ने अपनी मंजूरी दे दी है। कर्मचारी चयन बोर्ड अब सामान्य प्रशासन विभाग के अंतर्गत काम करेगा।

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी शनिवार को इंदौर को 550 मीट्रिक टन के बायो सीएनजी प्लांट की सौगात देने जा रहे हैं।

स्वच्छता में 5 बार से नंबर वन इंदौर एक और कीर्तिमान गढ़ने जा रहा है। प्रधानमंत्री जी का बहुत-बहुत आभार एवं इंदौर की जनता व अधिकारियों को बधाई।

2017 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तरह इस बार भी बुंदेलखंड में भाजपा बड़ी जीत हासिल करने जा रही है।

पिछले दिनों बुंदेलखंड में मैराथन चुनाव प्रचार करने के दौरान देखने को मिला कि चुनाव में इस बार भी भाजपा एक तरफा जीत रही है।

कमलनाथ जी प्रदेश में "घर-घर चलो" अभियान नहीं "घर बैठाओ" अभियान चला रहे हैं।

कांग्रेस की बैठक में दिग्विजय जी, अरुण यादव जी, अजय सिंह जी का नहीं रहना इसको प्रमाणित भी करता है।

महान भारत को बदनाम भारत कहने वाले कमलनाथ जी के मुंह से राष्ट्रवाद की बातें

शोभा नहीं देती हैं। वैसे भी कांग्रेस का देश विरोधी कल्चर कई बार साबित हो चुका है।

टुकड़े-टुकड़े गैंग की समर्थक कांग्रेस धर्म व जात के नाम पर लोगों को बांटकर अब प्रांतवाद के नाम पर देश को बांटने की कोशिश कर रही है। पंजाब के सीएम चन्नी जब उत्तर भारतीयों का अपमान कर रहे थे तब प्रियंका गांधी जी ताली बजा रही थीं इससे कांग्रेस की मानसिकता उजागर होती है।

प्रदेश में कोरोना के मामले कम होने के बाद लगाए गए सभी प्रतिबंध करीब-करीब हटा दिए गए हैं। जल्द ही समीक्षा कर नाइट करफ्यू हटाने पर भी विचार किया जाएगा।

प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 888 नए केस आए हैं, जबकि 2,715 लोग ठीक हुए हैं। प्रदेश में वर्तमान में संक्रमण दर 1.45% और रिकवरी रेट 97.60% है। वर्तमान में कुल एक्टिव केस 9,706 हैं। पिछले 24 घंटे में 61,170 टेस्ट हुए हैं।

चीन में बनी टेस्ला कारें भारत को नामंजूर- केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी

नई दिल्ली। भारत में मेड इन चाइना उत्पादों को लेकर सरकार काफी सख्त रुख अपना रहा है अब केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को एक बार फिर से साफ किया और कहा कि भारत में टेस्ला का स्वागत है, लेकिन अगर वे चाहते हैं कि चीन में कारें बनाकर यहां बेचें, तो यह देश के लिए ठीक नहीं है।

उनसे टेस्ला की टैक्स में छूट की डिमांड और भारत में एंट्री के बारे में पूछा गया था। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जब भी लोग मुझसे मिलते हैं, मैं उन्हें बताता हूं कि भारत एक बड़ा बाजार है और जो यहां नहीं हैं, वे मौका खो रहे हैं। एक फैक्ट ये है कि पहले से ही बीएमडब्ल्यू, हुंडई, टोयोटा ये सभी कंपनियां अच्छी क्वालिटी के साथ आ रही हैं और रिसर्च कर रही हैं। यहां तक कि टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी भारतीय कंपनियां नए रिसर्च पर काम कर रही हैं। नई टेक्नोलॉजी से बिजली को ईंधन के रूप में यूज किया जा रहा है। उन्होंने इस दौरान इथेनॉल के इस्तेमाल और ग्रीन एनर्जी पर भी अपनी राय जाहिर

की। उन्होंने कहा कि ऑटो कंपनियां फ्लेक्स इंजन पर काम कर रही हैं। इससे इथेनॉल का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल होगा। यह किसानों के लिए भी फायदेमंद साबित होगा। हमारा फोकस हर सेक्टर में ज्यादा से ज्यादा जॉब क्रिएट करने पर है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2022) में पहले ही यह साफ कर दिया है।

दरअसल दुनिया के सबसे रईस व्यक्ति एलन मस्क की इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला भारत सरकार से इम्पोर्ट ड्यूटी पर छूट की मांग कर रही है। कंपनी चाहती है कि वह पूरी तरह से तैयार कारें भारतीय बाजार में इम्पोर्ट करे। भारत में अभी ऐसे इम्पोर्ट पर 100 फीसदी टैक्स लगता है। भारत सरकार चाहती है कि टेस्ला या तो अपनी कारें यहीं बनाए या पार्ट इम्पोर्ट कर यहां एसेम्बल करे। गडकरी ने पहले भी यह साफ कहा है कि टेस्ला भारत में मेड इन चाइना गाड़ियां डम्प करने के बजाय यहीं फैक्ट्री लगाने पर विचार करे। सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) के चेयरमैन विवेक जौहरी ने टेस्ला को लेकर हाल ही में कहा था कि पहले से ही कम टैक्स पर इम्पोर्ट का विकल्प मौजूद है। गाड़ियों को पार्ट-पार्ट में इम्पोर्ट कर यहां लाकर लोकल लेवल पर एसेम्बल किया जा सकता है। 100 फीसदी टैक्स पूरी तरह से तैयार इलेक्ट्रिक गाड़ियों के लिए है। इसी ढांचे में स्थानीय स्तर पर कई कंपनियां प्रोडक्शन कर रही हैं। मौजूदा व्यवस्था में इन्वेस्टमेंट आ रहा है, जिससे साफ है कि टैक्स के ढांचे से कोई रुकावट नहीं है। इलेक्ट्रिक गाड़ियों के पार्ट के इम्पोर्ट पर अभी भारत में 15 से 30 फीसदी का शुल्क लगता है।

योगी सरकार ने सीएए प्रदर्शनकारियों के खिलाफ भरपाई नोटिस लिया वापस

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से नागरिकता संशोधन अधिनियम के प्रदर्शनकारियों से बरामद करोड़ों रुपये वापस करने को कहा है। दरअसल, योगी सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उसने सार्वजनिक और निजी संपत्ति को हुए नुकसान के लिए 2019 में सीएए विरोधी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ शुरू की गई कार्रवाई और 274 रिकवरी नोटिस वापस ले ली है। इसके जवाब में जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ और जस्टिस सूर्यकान्त की बेंच ने कहा कि राज्य सरकार करोड़ों रुपये की पूरी राशि वापस करेगी, जो इस कार्रवाई के तहत कथित प्रदर्शनकारियों से वसूली गई थी। बहरहाल, कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को नए कानून के तहत कथित सीएए विरोधी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की स्वतंत्रता दी है।

दिल्ली से पंजाब को संदेश वोटिंग से पहले प्रधानमंत्री आवास पर सिख नेताओं का जमघट

नई दिल्ली। पंजाब विधानसभा चुनाव 2022 के लिए 20 फरवरी को वोट डाले जाएंगे। आज चुनाव से ठीक दो दिन पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिल्ली स्थित सरकारी आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर सिख नेताओं का जमावड़ा लगा। पीएम मोदी ने सिख नेताओं के एक एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। भाजपा के वरिष्ठ नेता मनजिंदर सिंह सिरसा भी उसका हिस्सा थे। पीएम मोदी से मिलने वाले सिखों में दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका, पद्म श्री बाबा बलबीर सिंह जी सिचेवाल (सुल्तानपुर लोधी), महंत करमजीत सिंह, अध्यक्ष, सेवापंथी, यमुना नगर; बाबा जोगा सिंह, डेरा बाबा जंग सिंह (नानकसर), करनाल; संत बाबा मेजर सिंह वा, मुखी डेरा बाबा तारा सिंह वा, अमृतसर; जत्थेदार बाबा साहिब सिंह जी, कार सेवा, आनंदपुर साहिब; सुरिंदर सिंह, नामधारी दरबार (भनी साहिब); बाबा जस्सा सिंह, शिरोमणि अकाली बुद्ध दल, पंजवा तख्त; डॉ हरभजन सिंह, दमदमी टकसाल, चौक मेहता; और सिंह साहिब ज्ञानी रणजीत सिंह जी, जत्थेदार तख्त, श्री पटना साहिब शामिल थे।

मंच पर मुलायम भूल गए अखिलेश का नाम दुर्गति बता योगी ने ली चुटकी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करहल में बीजेपी प्रत्याशी एसपी सिंह बघेल के लिए प्रचार किया। सीएम योगी ने दावा किया कि करहल से एसपी सिंह बघेल जीतने जा रहे हैं और अपनी हार देखकर अखिलेश यादव बौखला गए हैं। इस दौरान उन्होंने मुलायम सिंह यादव का नाम लेकर तंज कसा और कहा कि बाप बेटे का नाम भूल गया, कैसी दुर्गति हो गई है। सीएम योगी ने कहा, कल नेताजी आए थे वह जानते हैं कि बघेल ही जीतेगा तो उन्होंने कहा कि तुम लोग तय कर लो, जिसे चाहो अपना नेता चुन लो। लोग कहते रहे कि नाम ले लीजिए। उन्होंने कहा कि पता ही नहीं करहल से कौन

चुनाव लड़ रहा है। अब यह दुर्गति हो गई हो कि बाप बेटा का नाम ना जानता हो।

केरल विधानसभा में आरिफ मोहम्मद खान का विरोध विपक्ष ने लगाए राज्यपाल वापस जाओ के नारे

नई दिल्ली। केरल विधानसभा के बजट सत्र की शुरुआत हंगामे के साथ हुई। विपक्षी कांग्रेस की अगुवाई वाले यूडीएफ ने राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के खिलाफ वापस जाओ के नारे लगाए और सदन की कार्यवाही का बहिष्कार करने के बाद धरना दिया। सत्र शुरू होने पर राज्यपाल अभिभाषण देने के लिए जैसे ही विधानसभा कक्ष में दाखिल हुए तो विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी शुरू कर दी और उन्हें बैनर दिखाए जिसमें लिखा हुआ था कि उन्होंने मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन को बचाने के लिए लोकायुक्त अध्यादेश पर हस्ताक्षर किए। वाम सरकार द्वारा लाए गए इस अध्यादेश की वजह से हाल में राज्य में राजनीतिक तूफान उठ खड़ा हुआ था। विपक्षी दलों ने

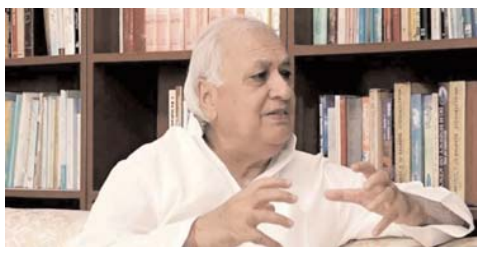

इसका विरोध करते हुए दावा किया है कि इससे भ्रष्टाचार रोधी संस्था कमजोर होगी। जब विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने कुछ कहने की कोशिश की तो नाराज प्रतीत हो रहे खान ने कहा कि यह प्रदर्शन का वक्त नहीं है।

अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट केस 38 दोषियों को फांसी, 11 को उम्रकैद

अहमदाबाद। अहमदाबाद सीरियम बम ब्लास्ट केस में विशेष अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने 49 दोषियों में से 38 को फांसी की सजा सुनाई है। इसके अलावा अदालत ने 11 अन्य दोषियों को उम्र कैद की सजा सुनाई है। अदालत ने इन लोगों को पहले ही दोषी करार दे दिया था और आज इन लोगों की सजा का ऐलान होना था। 26 जुलाई 2008 को अहमदाबाद में हुए 21 सीरियल ब्लास्ट ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। इन धमाकों की गूंज से हर कोई स्तब्ध था। सरकारी अधिवक्ता अमित पटेल ने बताया कि स्पेशल जज एआर पटेल ने 49 में से 38 लोगों को फांसी की सजा सुनाई है। इसके अलावा 11 शेष दोषियों को उम्रकैद की सजा दी गई है। इस आतंकी हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन ने ली थी। आतंकियों का कहना था कि हमने 2002 में हुए गुजरात दंगों का बदला लेने के लिए इस घटना को अंजाम दिया था। इस मामले में कुल 77 लोग आरोपी थे, जिनमें से 28 को अदालत ने बरी कर दिया था और बाकी 49 लोगों को दोषी करार दिया था। 14 सालों तक चले मामले के बाद यह सजा सुनाई गई है। बता दें

कि अभियोजन पक्ष की ओर से कोर्ट से सभी दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग की गई थी। वहीं बचाव पक्ष ने कम से कम सजा की अपील कोर्ट की थी। हालांकि अदालत ने 38 लोगों को फांसी की सजा सुनाई। इस फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है। अहमदाबाद विस्फोट मामले में सत्र न्यायालय के न्यायाधीश एआर पटेल ने 8 फरवरी को फैसला सुनाते हुए 49 आरोपियों को दोषी करार दिया था। अदालत ने 77 में से 28 आरोपियों को बरी कर दिया था। आपको बता दें कि साल 2008 में अहमदाबाद में सीरियल बम ब्लास्ट हुए थे। इस घटना में 56 लोगों की मौत हुई थी, साथ ही 200 लोग घायल हो गए थे। बता दें कि अभियोजन पक्ष की ओर से कोर्ट से सभी दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग की गई थी। वहीं बचाव पक्ष ने कम से कम सजा की अपील कोर्ट की थी। हालांकि अदालत ने 38 लोगों को फांसी की सजा सुनाई। इस फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है। अहमदाबाद विस्फोट मामले में सत्र न्यायालय के न्यायाधीश एआर पटेल ने 8 फरवरी को फैसला सुनाते हुए 49 आरोपियों को दोषी करार दिया था। अदालत ने 77 में से 28 आरोपियों को बरी कर दिया था। साल 2008 में अहमदाबाद में सीरियल बम ब्लास्ट हुए थे। इस घटना में 56 लोगों की मौत हुई थी, साथ ही 200 लोग घायल हो गए थे।

ई-केवायसी से होगी 5 करोड़ खाद्यान्न हितग्राही की पहचान -

भोपाल

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 में 4 करोड़ 94 लाख पात्र हितग्राहियों को प्रतिमाह रियायती दर पर खाद्यान्न एवं अन्य सामग्री का वितरण उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से किया जा रहा है। प्रमुख सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति श्री फैज अहमद किदवई ने बताया कि पात्र हितग्राहियों की पहचान सुनिश्चित करने के लिये विभाग द्वारा ई-केवायसी का अभियान चलाया जा रहा है। इससे जहाँ एक ओर हितग्राही अपने डाटा में हुई त्रुटियों में सुधार करवा सकेंगे, वहीं दूसरी ओर अपात्र हितग्राहियों की पहचान भी की जा सकेगी। श्री किदवई ने बताया कि अभियान में ई-केवायसी द्वारा पात्र हितग्राहियों के डाटाबेस एवं आधार-डाटाबेस में दर्ज नाम, पता, लिंग एवं आयु के आधार पर मिलान किया जाता है। जिन हितग्राहियों के डाटाबेस का मिलान होता है उनके ई-केवायसी जेएसओ लॉगिन से अनुमोदित किये जाते हैं।

24 हजार 952 उचित मूल्य दुकानों पर उपलब्ध है ई-केवायसी सुविधा:- श्री किदवई ने बताया कि प्रदेश की लगभग 24 हजार 952 उचित मूल्य दुकान पर पात्र हितग्राहियों के लिये ई-केवायसी कराने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। हितग्राही अपने आधार नंबर के माध्यम से उचित मूल्य दुकान पर ई-केवायसी करा रहे हैं। शारीरिक रूप से अक्षम एवं वृद्ध हितग्राही की ई-केवायसी, विक्रेता द्वारा घर पर जाकर की जा रही है।

25 प्रतिशत हितग्राहियों का हुआ ई-केवायसी

श्री किदवई ने बताया कि प्रतिदिन लगभग 2 लाख हितग्राही के ई-केवायसी कराये जा रहे है। अभी तक एक करोड़ 4 लाख 53 हजार 675 हितग्राही के ई-केवायसी किये जा चुके हैं। इस प्रक्रिया से वास्तविक हितग्राही बायोमेट्रिक सत्यापन के आधार पर सुगमता से राशन सामग्री प्राप्त कर सकेंगे। हितग्राही वन नेशन-वन राशनकार्ड योजना के तहत किसी भी उचित मूल्य दुकान से राशन प्राप्त कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री निवास परिसर में नारियल का पौधा रोपा।

न्यूज ब्रीफ

जल जीवन मिशन में कार्यान्वयन सहायता एजेंसी (आईएसए) के लिए करीब 45 करोड़ स्वीकृत

भोपाल। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने जल जीवन मिशन में प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र की जल-प्रदाय योजनाओं के लिए आई.एस.ए. की नियुक्ति के लिए 44 करोड़ 65 लाख रूपये की स्वीकृति जारी की है। मिशन की गाइड लाइन के अनुसार कार्यान्वयन सहायता एजेंसी (आई.एस.ए.) का चयन किया जाता है। यह एजेंसी जल-प्रदाय योजना क्षेत्र में पेयजल और सामुदायिक प्रबंधक, जल गुणवत्ता, वर्षा जल संचयन/पुनर्भरण, जल संसाधन प्रबंधन, क्षमता निर्माण और जागरूकता सृजन, लोक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग और जेंडर तथा जल के लिए अपनी सेवाएँ देगी। प्रदेश की सम्पूर्ण ग्रामीण आबादी को नल कनेक्शन के माध्यम से जल उपलब्ध करवाने के लिए राष्ट्रीय जल जीवन मिशन में जल-प्रदाय योजनाओं के कार्य किए जा रहे हैं। जल जीवन मिशन में प्रदेश के 13 जिलों क्रमशः भिण्ड, मुरैना, श्योपुर, सागर, दमोह, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ, ग्वालियर, दतिया, गुना, अशोकनगर और शिवपुरी के 10 हजार 261 ग्रामों की जल-प्रदाय योजनाओं के लिए आई.एस.ए. की नियुक्ति व्यवस्था एवं सेवाओं पर यह राशि व्यय की जा सकेगी।

हाउसिंग बोर्ड ने कोविड प्रभावितों के लिए सम्पत्ति शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च की

भोपाल। मुख्य प्रशासनिक अधिकारी मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधो-संरचना मंडल श्रीमती बिदिशा मुखर्जी ने बताया कि कोविड संक्रमण एवं लॉकडाऊन के कारण हाउसिंग बोर्ड ने सम्पत्ति शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि में 31 मार्च 2022 तक वृद्धि की है। श्रीमती मुखर्जी ने बताया कि अंतिम तिथि में वृद्धि का लाभ केवल ऐसे उपभोक्ताओं को मिल सकेगा जिनकी सम्पत्ति का अपसेट मूल्य 50 लाख रूपये से अधिक न हो और जिनकी सम्पत्ति की ऑफर स्वीकृति 1 मई 2020 के पश्चात जारी की गई हो। उन्होंने कहा कि कोविड संक्रमण के कारण उपभोक्ताओं ने अंतिम तिथि में वृद्धि करने का अनुरोध किया था।

दूरदर्शन के आमने-सामने कार्यक्रम का प्रसारण 20 फरवरी को विधानसभा अध्यक्ष श्री गौतम से खास मुलाकात

भोपाल। प्रादेशिक समाचार एकांश दूरदर्शन केन्द्र भोपाल से प्रसारित होने वाले साप्ताहिक कार्यक्रम आमने-सामने में 20 फरवरी को दोपहर 2:30 बजे विधानसभा अध्यक्ष श्री गिरीश गौतम से खास मुलाकात का प्रसारण किया जायेगा।

अहमदाबाद ब्लास्ट में फांसी वाले 6 आतंकी भोपाल जेल में

मास्टरमाइंड नागौरी भी यहीं बंद, बोला- संविधान मायने नहीं रखता, कुरान का फैसला मानेंगे

भोपाल

अहमदाबाद बम ब्लास्ट-2008 मामले में 38 आर्तकियों को फांसी की सजा सुनाई गई है। इनमें से सिमी (स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया) के 6 आतंकी भोपाल की केंद्रीय जेल में बंद हैं। इनमें ब्लास्ट का मास्टरमाइंड सफदर नागौरी भी शामिल है। फांसी की सजा की खबर मिलने के बाद भी नागौरी नॉर्मल दिख रहा है। उसने जेल अधीक्षक दिनेश नरगावे से कहा कि संविधान हमारे लिए मायने नहीं रखता। हम कुरान का फैसला मानते हैं। नरगावे के मुताबिक, केंद्रीय जेल भोपाल में 5 साल पहले जब नागौरी को शिफ्ट किया था, तब वह जेल अधिकारियों-कर्मचारियों को खुलेआम धमकी देता था कि तुम्हारी इतनी औकात नहीं है, जो हमें ऑर्डर करो। वह राष्ट्रीय पर्व, राष्ट्रगान के दौरान अजीब हरकतें करता है। अधिकारियों को बोलता है कि हम देशभर की जेल में घूम चुके हैं। जेल का कायाकल्प कर दूंगा...। वो कई बार भोपाल की जेल से दूसरी जेल में शिफ्ट करने के लिए कोर्ट में पिटीशन भी लगा चुका है। उसे भोपाल जेल में अलग बैरक में रखा जाता है। नागौरी

प्रतिबंधित संगठन स्टुडेंट इस्लामिक मूवमेंट ऑफ़ इंडिया (सिमी) का राष्ट्रीय महासचिव रहा है।

भोपाल जेल में बंद इन आतंकियों को मिली है सजा

1. सफदर नागौरी (फांसी)
2. शिवली (फांसी)
3. शादुली (फांसी)
4. आमिल परवेज (फांसी)
5. कमरुद्दीन नागौरी (फांसी)
6. हाफिज (फांसी)
7. अंसाब (उम्रकैद की सजा)

फांसी की सजा की खबर मिलने के बाद भी सफदर नागौरी नॉर्मल रहा। फांसी की सजा की खबर मिलने के बाद भी सफदर नागौरी नॉर्मल रहा।

100 से अधिक अपराध हैं नागौरी के नाम पर:- सफदर नागौरी उज्जैन के महिदपुर गांव का रहने वाला है। उसके पिता क्राइम ब्रांच के असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर रहे हैं। साल 2001 में सिमी पर प्रतिबंध लगने के बाद नागौरी अंडरग्राउंड हो गया था। उज्जैन के महाकाल पुलिस थाने में नागौरी के खिलाफ 1997 में पहला मुकदमा दर्ज किया गया। उसे 11 दिसंबर, 2000 को भगोड़ा घोषित किया गया था।

देशभर में नागौरी के खिलाफ 100 से अधिक अपराध दर्ज हैं। वर्ष 2008 में अहमदाबाद में हुए एक के बाद एक बम धमाकों का वह मास?टरमाइंड था। 26 जुलाई 2008 को हुए इन धमाकों में 57 लोगों की मौत हुई थी। इसमें सफदर नागौरी की बड़ी भूमिका थी। नागौरी को पुलिस ने 26 मार्च 2008 को इंदौर के संयोगितागंज के एक फ्लैट से गिरफ्तार किया था। अभी भोपाल की जेल में सिमी के 24 आतंकी बंद हैं।

1977 में सिमी का यूपी में हुआ गठन स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया यानी सिमी का गठन वर्ष 1977 के अप्रैल माह में उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में हुआ था। अमेरिकी राज्य इलिनोय के एक प्रोफेसर मोहम्मद अहमदुल्लाह सिद्दीकी को संगठन का संस्थापक बताया जाता है। भारत में इस संगठन पर वर्ष 2001 में प्रतिबंध लगा दिया गया था। फिर दो अलग-अलग बार इसे प्रतिबंधित करने के अध्यादेश भारत सरकार ने जारी किए। तब से इसकी गतिविधियां पूरी तरह से भूमिगत हैं।

दहेज नहीं मिलने पर पत्नी को दिया तलाक

ट्रक खरीदने के लिए जेल प्रहरी की बेटी से 2 लाख रुपए मांगा दहेज, घर से भगाया

भोपाल

भोपाल में जेल प्रहरी की बेटी के साथ मारपीट कर उसे घर से भगा दिया गया। ससुराल वाले दहेज में दो लाख रुपए की मांग कर उसे प्रताड़ित करते रहे। जब रकम नहीं मिली तो शौहर उसके घर पहुंचा और तीन तलाक बोल दिया। पीड़िता की शिकायत पर अरेरा हिल्स पुलिस ने आरोपी शौहर, सास, देवर और ननद के खिलाफ दहेज प्रताड़ना और शौहर के खिलाफ मुस्लिम महिला विवाह संरक्षण अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है। बताया गया कि पीड़िता का पति ट्रक खरीदने के लिए दहेज की मांग करा रहा है। पुलिस के मुताबिक, पुरानी जेल परिसर निवासी 23 वर्षीय महिला का पांच साल पहले ऐशबाग निवासी अब्दुल सोहिल से निकाह हुआ था। शादी के बाद सबकुछ ठीक चला। कुछ दिन बाद सोहिल ने ट्रक खरीदने की मंशा जाहिर की। इस पर महिला के पिता ने उसे ढाई लाख रुपए दिए। इसके बाद ससुराल वाले दो लाख रुपए की और मांग करने लगे। महिला ने दहेज लाने से मना किया तो उसके साथ मारपीट की गई। उसे घर से भगा दिया गया। इन दिनों महिला मायके में थी। मंगलवार को उसका शौहर, महिला के घर पहुंचा। जहां उसने तीन तलाक दे दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी शौहर, सास नीलोफर, देवर फराज और नंद फरहा के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्वामी रामकृष्ण परमहंस की जयंती पर उन्हें किया नमन

भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्वामी रामकृष्ण परमहंस की जयंती पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास कार्यालय स्थित सभागार में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। स्वामी रामकृष्ण परमहंस महान संत, आध्यात्मिक गुरु और विचारक थे। उन्होंने सभी धर्मों की एकता पर बल दिया। साधना के फलस्वरूप वे इस निष्कर्ष पर पहुँचे थे कि संसार के सभी धर्म सच्चे हैं और उनमें कोई भिन्नता नहीं है। वे ईश्वर तक पहुँचने के अलग-अलग साधन मात्र हैं। मानवीय मूल्यों के पोषक संत रामकृष्ण परमहंस का जन्म 18 फरवरी 1836 को बंगाल प्रांत स्थित ग्राम कामारपुकुर में हुआ था। स्वामी रामकृष्ण परमहंस ने 16 अगस्त 1886 को देह त्याग दी।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से अध्यक्ष राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, नई दिल्ली श्री प्रियंक कानूनगो ने राजभवन में भेंट की।

टेंट व्यवसाय बना सहेली महिला स्व सहायता समूह के आय का जरिया

गौरेला पेंड्रा मरवाही। टेंट व्यवसाय सहेली महिला स्व सहायता समूह के आय का जरिया बना है। लगन और आत्म विश्वास के साथ शुरू किया गया हर व्यवसाय फायदा ही पहुंचाता है। मरवाही जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत साल्हेकोटा की सहेली महिला स्व सहायता समूह ने लगभग चार माह पहले राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़कर बैंक से 70 हजार रूपए का ऋण लिया था। समूह को अब तक 30 हजार रूपए का आमदनी प्राप्त हो चुका है। समूह द्वारा बैंक लिंकेज की ऋण राशि वापसी किया जा रहा है। समूह से जुड़ी दीदीयों ने विश्वास व्यक्त किया है कि वे आत्मविश्वास पैदा कर भविष्य में आगे बढ़ेगें।

धर्मनगरी दामाखेड़ा में 12 जोड़ें परिणय सूत्र में बंधे

बलौदाबाजार। कलेक्टर डोमन सिंह के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत सामूहिक विवाह का आयोजन आज धर्म नगरी दामाखेड़ा में 12 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। योजना अंतर्गत विवाह में शामिल होने वाले प्रति जोड़ों को 25 हजार रूपए शासन की ओर से स्वीकृत किया गया। जिसमें से 19 हजार रूपए का उपहार सामग्री जिसमें गद्दा,तकिया,चादर, बर्तन, घड़ी,बिछिया पायल इत्यादि दिया गया। साथ ही प्रत्येक जोड़े को 1हजार रूपए नगद तथा 5 हजार रुपए सामूहिक विवाह के आयोजन पर खर्च किया जाता है। विवाह में सम्मिलित करने वाले प्रत्येक जोड़े को विवाह का प्रमाण पत्र दिया गया। कार्यक्रम में दमयंती वर्मा सभापति महिला बाल विकास द्वारा प्रत्येक जोड़ों को साड़ी दिया गया। कबीर आश्रम के मैनेजर ज्ञानी द्वारा उपहार सामग्री दिया गया। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष वीणा ऑडील ने जिला पंचायत उपाध्यक्ष सरिता ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य रमेश घृतलहरे, रेणुका यदु, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष विवेक अग्रवाल जनपद पंचायत सदस्य निधि कोमल टंडन,गंगोत्री पवन टंडन सदस्य,धर्मेंद्र संतोष साहू,दयामदी वर्मा, धनेश्वरी साहू समेत एसडीएम टी आर महेश्वरी जिला कार्यक्रम अधिकारी एल आर कच्छप एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

खाद्य निरीक्षकों की संयुक्त टीम द्वारा नवीन काव्या पेट्रोल पंप किया गया सील

गौरेला पेंड्रा मरवाही। जिले के खाद्य निरीक्षकों की संयुक्त टीम द्वारा नया बस स्टैड पेन्ड्रा स्थित नवीन काव्या पेट्रोल पंप को सील किया गया है। खाद्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जांच के दौरान पेट्राल पंप संचालक द्वारा लाइसेंस प्रस्तुत नही किया जा सका इसके अलावा बिना खाद्य लाइसेंस के विगत कई दिनों से उनके द्वारा पेट्राल व डीजल का विक्रय किया जाना पाया गया जिस कारण खाद्य निरीक्षक श्री नटवर सिंह राठौर, श्री जितेन्द्र वासुदेव, श्रीमती चित्रा गौतम और सुश्री ज्योति मिश्रा के संयुक्त दल द्वारा पेट्रोल पंप में उपलब्ध स्टाक को जप्त कर पेट्रोल पंप सील किया गया और प्रतिवेदन अग्रिम कार्रवाई के लिए भेजा गया है।

मुख्यमंत्री ने गोपाल कृष्ण गोखले की पुण्य तिथि पर किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने महात्मा गांधी के अध्यात्मिक गुरू, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, समाजसेवी और महान विचारक श्री गोपाल कृष्ण गोखले की पुण्य तिथि पर उन्हें नमन किया है। श्री गोखले को याद करते हुए श्री बघेल ने कहा कि उन्होंने राष्ट्र सेवा की नींव मजबूत कर भारत को स्वतंत्रता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने चारित्रिक दृढ़ता और आत्मिक विकास पर बल दिया। श्री बघेल ने कहा कि गोखले जी के अमूल्य विचार हमें बड़ी समस्या को भी सत्यता और सरलता से हल करने का मार्ग दिखाते हैं। देश के प्रति स्वार्थहीन सेवा के लिए उन्हें सदा याद किया जाएगा।

सीएम ने शायर हाजी हसन अली की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध शायर हाजी हसन अली की 19 फरवरी को पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी है। मुख्यमंत्री बघेल ने अपने संदेश में कहा है कि हाजी हसन अली 'हसन' ने आजीवन उर्दू भाषा और साहित्य की सेवा की। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा उर्दू के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए प्रतिवर्ष हाजी हसन अली सम्मान दिया जाता है ।

मुख्यमंत्री ने छत्रपति शिवाजी की जयंती पर उन्हें किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने महान शासक छत्रपति शिवाजी महाराज की 19 फरवरी को जयंती पर उन्हें नमन किया है। श्री बघेल ने छत्रपति शिवाजी के साहस और पराक्रम को याद करते हुए कहा कि शिवाजी महाराज एक प्रबुद्ध रणनीतिकार के रूप में भी जाने जाते है। उन्होंने अपनी कुशल नीतियों से अनुशासित सेना और सुगठित प्रशासनिक व्यवस्था बनाई। श्री बघेल ने कहा कि उन्हें स्मरण करते समय सदैव एक आत्मविश्वास और शौर्यता से भरे व्यक्तित्व की तस्वीर उभरती है। छत्रपति शिवाजी का शौर्य और व्यक्तित्व आज भी हजारों लोगों को प्रेरित करता है।

गुरूर महानदी नहर के नवीनीकरण कार्य के लिए 8.5 करोड़ रुपए स्वीकृत

रायपुर। राज्य शासन ने बालोद जिले के विकासखण्ड-गुरूर में महानदी मुख्य नहर के अंतर्गत कंवरहट शाखा के नहर और उपशाखा नहर के नवीनीकरण उन्नयन कार्य के लिए 8 करोड़ 5 लाख 8 हजार रूपए स्वीकृत किये गये है। जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन से कार्य पूर्ण कराने के लिए मुख्य अभियंता महानदी परियोजना जल संसाधन विभाग रायपुर को प्रशासकीय स्वीकृत जारी कर दी गई है। योजना कार्य स्वीकृत राशि एवं निर्धारित समयावधि के अंतर्गत पूर्ण करने के लिए निर्देश दिये गये है। इस कार्य के पूर्ण हो जाने पर क्षेत्रिय किसानों के खेतों में करीब 772.74 हेक्टेयर क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई की सुविधा मिलने लगेगी।

मुख्यमंत्री ने पशुपालक ग्रामीणों, महिला समूहों और गोबर विक्रेताओं को अब तक 127.79 करोड़ रुपए का भुगतान

राज्य सरकार की योजनाओं से किसानों के जीवन में आया बड़ा बदलाव : मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि गोधन न्याय योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना और सुराजी गांव योजना किसानों के जीवन में बदलाव लाने वाली योजनाएं साबित हुई हैं। गोधन न्याय योजना को लगातार नया आयाम दिया जा रहा है। अब प्रदेश में गोधन न्याय योजना का संचालन मिशन के रूप में किया जा रहा है। इस योजना में गौठानों में गोबर के क्रय, वर्मी कम्पोस्ट तैयार करने सहित गौठानों में संचालित विभिन्न आयमूलक गतिविधियों से स्व-सहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक मजबूती मिल रही है। आने वाले समय में गांव-गांव में बनाए गए गौठानों को और अधिक मजबूत किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री बघेल आज यहां अपने निवास कार्यालय में गोधन न्याय योजना के राशि अंतरण कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने पशुपालक ग्रामीणों, गौठानों से जुड़े महिला समूहों और गौठान समितियों को 10 करोड़ 24 लाख रूपए की राशि ऑनलाइन जारी की, इस राशि में 16 जनवरी से 15 फरवरी तक राज्य के गौठानों में पशुपालक ग्रामीणों, किसानों, भूमिहीनों से गोधन न्याय योजना के तहत क्रय किए गए गोबर के एवज में 5 करोड़ 62 लाख रूपए का भुगतान तथा गौठान समितियों को 1.88 करोड़ और महिला समूहों को 2.75 करोड़ रूपए की लाभांश राशि शामिल है। गोबर विक्रेताओं को गोबर खरीदी शुरू होने से लेकर अब तक 127 करोड़ 79 लाख रूपए राशि का भुगतान किया जा चुका है। इसी प्रकार इस योजना के शुरू होने से लेकर अब तक स्व-सहायता समूहों और गौठान समितियों को कुल 79 करोड़ 39 लाख रूपए की भुगतान किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने इस मौके पर राज्य के गौठानों में महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा प्राकृतिक रूप से निर्मित विभिन्न प्रकार के उत्पादों के एकीकृत ब्रांडनेम 'अर्थ' को लॉन्च किया। इसके साथ ही बाजार में अर्थ ब्रांडनेम से महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों के गिफ्ट हैम्पर विक्रय के लिए उपलब्ध हो जाएंगे। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर अर्थ ब्रांड के लोगो का भी विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सभी उत्पादों की मार्केटिंग ूएंतजीबहण्बवउ वेबसाईट के माध्यम से की जाएगी। गौठानों में स्व-सहायता समूहों द्वारा प्राकृतिक पदार्थों पर आधारित इम्यूनिटी-टी, एसेंशियल ऑयल, साबुन, जैविक गुलाल और पूजन सामग्री जैसे उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजनांदगांव जिले में पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में जैविक-गुलाल और पूजन-सामग्री के निर्माण का कार्य शुरू किया गया था। वहां इसके लिए सखी समूह संगठन सोमनी और श्री गणेश ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड के बीच एमओयू हुआ है। राजनांदगांव की बहनों को इस काम में बहुत अच्छी सफलता मिली है। अब इसी काम का विस्तार करते हुए इसे रायपुर और दुर्ग जिले के गौठानों में भी शुरू किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गौठानों में वर्मी कम्पोस्ट और सुपर कम्पोस्ट के निर्माण के साथ बिजली उत्पादन, प्राकृतिक पेन्ट निर्माण, दाल मिलों और तेल मिलों की स्थापना जैसे कार्य हो रहे है। अब तक गौठानों में 18 तेल मिलों और 53 दाल मिलों की स्थापना का कार्य किया जा चुका है। गौठानों में 152 तेल मिल और 173 दाल मिल स्थापित करने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस साल राज्य में 97.98 लाख मेट्रिक टन धान खरीदी का नया रिकार्ड बना है। किसान भाईयों को 19 हजार 36 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सालों से हर साल धान खरीदी का नया रिकार्ड बन रहा है। प्रदेश में धान के रकबे और धान बेचने वाले किसानों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना, गोधन न्याय योजना, सुराजी गांव योजना के माध्यम से छत्तीसगढ़ के किसान भाइयों के जीवन में जो बदलाव आया है, आज उसकी चर्चा पूरे देश में हो रही है। मैंने पिछले कुछ दिनों में उत्तरप्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड सहित कई राज्यों का दौरा किया है। दूसरे राज्यों में जब छत्तीसगढ़ के किसानों के विकास की चर्चा होती है तो मुझे भी बहुत गर्व होता है।

कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. कमलप्रीत सिंह ने गोधन न्याय योजना की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस योजना के माध्यम से 97 हजार 529 भूमिहीन लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में स्वीकृत 10 हजार 591 गौठानों में 7933 गौठान निर्मित हो चुके हैं तथा 2300 गौठान निर्माणाधीन है तथा 2549 गौठान स्वावलंबी हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि जनवरी और फरवरी माह में किसानों ने गौठानों में लगभग 31.35 करोड़ रूपए की लागत का 15 लाख 67 हजार क्विंटल से अधिक पैरादान किया है। गोधन न्याय योजना के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. एस. भारती दासन ने गौठानों में जैविक गुलाल और पूजन सामग्री के उत्पादन के लिए आज किए गए एमओयू के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस योजना का विस्तार रायपुर और दुर्ग जिले के 5-5 गौठानों में किया जा रहा है, जहां 75-75 महिला स्व-सहायता समूह के सदस्यों द्वारा जैविक गुलाल और पूजन सामग्री तैयार की जाएगी। उन्होंने बताया कि आगामी एक वर्ष में लगभग 100 मेट्रिक टन जैविक गुलाल तैयार किया जाएगा, जिसकी कीमत 1.50 से 2 करोड़ रूपए होगी। इसी प्रकार 2 से 3 करोड़ रूपए मूल्य की 100 मेट्रिक टन पूजन सामग्री इन गौठानों में तैयार की जाएगी। महिलाओं को दैनिक पारिश्रमिक के अलावा उत्पादों को विक्रय से अर्जित आय का 5 प्रतिशत लाभांश के रूप में दिया जाएगा। इस अवसर पर गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, वन मंत्री मोहम्मद अकबर, नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, उद्योग मंत्री कवासी लखमा, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरू रूद्रकुमार, उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल, खाद्य मंत्री अमरजीत भगत, मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू और मुख्यमंत्री के सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेसी भी उपस्थित थे।

रासायनिक उर्वरकों की कमी की समस्या का समाधान करने में सफलता

कृषि मंत्री श्री रविन्द्र चौबे ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि गोधन न्याय योजना के अंतर्गत क्रय किए गए गोबर से वर्मी कम्पोस्ट और सुपर कम्पोस्ट के उत्पादन से हमें रासायनिक उर्वरकों की कमी की समस्या का समाधान करने में सफलता मिली है। अब तक लगभग 127 करोड़ रूपए का गोबर क्रय किया गया। जिसमें से लगभग 91 करोड़ रूपए की वर्मी कम्पोस्ट और सुपर कम्पोस्ट का विक्रय किया गया। इसके साथ ही साथ अन्य गतिविधियों से लगभग 51.36 करोड़ रूपए की आय स्व-सहायता समूहों द्वारा अर्जित की गई है। इसके अलावा स्व-सहायता समूहों और गौठान समितियों को कुल 79.39 करोड़ रूपए का भुगतान किया जा चुका है। जितनी राशि का गोबर खरीदा गया लगभग उतनी राशि अर्जित की गई है। आने वाले समय में गौठानों की व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले खरीफ मौसम में भी किसानों के लिए वर्मी कम्पोस्ट और सुपर कम्पोस्ट की उपलब्धता बनाए रखने का प्रयास किया जाएगा। श्री चौबे ने सभी मंत्रिगणों से विभिन्न जिलों के भ्रमण के दौरान गौठानों का दौरा कर वहां संचालित गतिविधियों का निरीक्षण करने तथा उनमें अधिक सुधार के लिए अधिकारियों को सुझाव देने का आग्रह भी किया।

150 महिला स्व-सहायता समूहों को जोड़ा गया

कार्यक्रम में गौठानों में महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से जैविक गुलाल एवं पूजन सामग्री तैयार करने के लिए संचालक उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी तथा श्री गणेश ग्लोबल प्राईवेट लिमिटेड के मध्य एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस एमओयू के तहत प्रथम चरण में दुर्ग एवं रायपुर जिले के 10 गौठानों में जैविक गुलाल एवं पूजन सामग्री निर्मित की जाएगी। इसके लिए दोनों जिलों के 150 महिला स्व-सहायता समूहों को जोड़ा गया है। महिला स्व-सहायता समूह जैविक गुलाल के साथ-साथ पूजन सामग्री जिसमें चंदन पाउडर, रूई बत्ती, कुमकुम, रोली, हवन आदि सामग्री तैयार करेंगी।

कैम्प के जरिये हो रही सुरक्षा जवानों की भर्ती, अब तक 52 युवाओं का हुआ चयन

25 फरवरी तक होगा कैम्प का आयोजन, बेरोजगार युवाओं को रोजगार पाने का सुनहरा अवसर

कोरिया । कोरिया जिले के बेरोजगार युवाओं को रोजगार पाने का सुनहरा अवसर मिल रहा है। एसआईएस के माध्यम से सुरक्षा जवान, सुरक्षा सुपरवाईजर, सी.आई.टी, इन्सटेक्टर, भर्ती अधिकारी के पद पर भर्ती की जा रही है। भर्ती अधिकारी श्री कुलदीप सोनकिया ने बताया कि शिविर का आयोजन 06 फरवरी से शुरू हो चुका है। जो 25 फरवरी तक किया जायेगा। अब तक 08 शिविर हो चुके हैं जिनमें 400 से ज्यादा युवाओं ने भाग लिया। इनमें से 52 लोगों की भर्ती की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि इच्छुक युवा नियत तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर रोजगार प्राप्त कर सकते है।

मनेन्द्रगढ़ थाना में 06 फरवरी को शिविर का आयोजन किया गया। इसके बाद थाना चिरमिरी, पोड़ी, चरचा, पटना, झगराखाण्ड, खड़गवां और थाना केल्हारी में कैम्प का आयोजन किया जा चुका है। थाना कोटाडोल में 17 फरवरी को आयोजित कैम्प में 50 से भी ज्यादा ग्रामीण युवा पहुंचे। जहां लगभग निर्धारित मापदंडों के आधार पर 10 लोगों का चयन किया गया है। आगामी कैम्प थाना जनकपुर में 21 फरवरी, थाना सोनहत में 22 फरवरी, थाना बैकुण्ठपुर में 23 फरवरी एवं पुलिस लाईन बैकुण्ठपुर में 25 फरवरी को आयोजन किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए भर्ती अधिकारी के मोबाइल नम्बर 7509781949 एवं कमान्डेन्ट अनिश तिवारी मोबाइल नम्बर 9523046444 से सम्पर्क किया जा सकता है।

मेला में राजस्व एवं पुलिस विभाग के कार्यक्रम में शामिल हुए राजस्व मंत्री , 11 हितग्राहियों को 5.50 लाख रुपये कोविड-19 सहायता राशि वितरित की

छग की पुरातन परम्पराओं के अनुरूप माघी पुन्नी मेला का आयोजनः अग्रवाल

रायपुर। छत्तीसगढ़वासी बड़े सौभाग्यशाली है जहॉ भगवान राजीवलोचन का धाम है। भगवान राजीव लोचन के आशीर्वाद से छत्तीसगढ़ में सुख समृद्धि और खुशहाली है।

प्रदेश सरकार ने माघी पुन्नी मेला के मूलस्वरुप को पुनर्जीवित किया है। मेले में सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारियॉ सरकारी स्टाल लगाकर दी जा रही है। राज्य सरकार प्रदेश के नागरिकों को सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान कर रही है। उक्त बातें प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन पुनर्वास मंत्री श्री जयसिंह अग्रवाल ने राजिम माघी पुन्नी मेला के तीसरे दिन राजस्व आपदा प्रबंधन विभाग एवं गृह विभाग के संयुक्त कार्यक्रम में व्यक्त किये। मंत्री श्री अग्रवाल ने भगवान श्रीराजीव लोचन का दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। राजस्व मंत्री श्री अग्रवाल ने राजिम माघी पुन्नी मेला की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान सरकार छत्तीसगढ़ की पुरातन परम्पराओं के अनुरूप मांघी पुन्नी मेला का आयोजन किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में लोगों को नागरिक सुविधाएं देने के साथ ही विकास कार्य भी किये जा रहे है। इस अवसर पर राजस्व विभाग के हितग्राहियों को चेक वितरण भी किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अभनपुर विधायक धनेन्द्र साहू ने कहा कि त्रिवेणी संगम में तीन जिलों का संगम होता है। यह मेला भगवान श्री राजीव लोचन की जयंती से प्रारंभ होकर भगवान शिव की जयंती तक 15 दिनों तक चलता है। छत्तीसगढ़ धर्म, आस्था एवं संस्कृति का केन्द्र है। मेले की गरिमा, संस्कृति को इस सरकार ने बरकरार रखा है।

कार्यक्रम में उन्होंने हितग्राहियों को सहायता राशि एवं प्रशस्ति पत्र वितरण किया। साथ ही राजस्व विभाग द्वारा नक्सल प्रभावित परिवार के सदस्यों को शासकीय सेवा हेतु नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। इसके अलावा कोविड-19 से मृत्यु के 11 प्रकरणों में मृतकों के परिजनों को 5 लाख पचास हजार रुपये सहायता राशि और प्राकृतिक आपदा 6-4 एवं सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने पर 6 हितग्राहियों को 24 लाख रुपये के चेक वितरित किए।

उन्होंने कमार भुजियां जनजाति के 3 हितग्राही सहित 9 स्कूली बच्चों को जाति प्रमाण पत्र वितरण, 5 हितग्राहियों को 2 हजार 484 हेक्टेयर भूमि का सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पत्र एवं 9 हितग्राहियों को भू अर्जन की 47 लाख 94 हजार रुपये राशि का वितरण किया।

मंत्री उमेश पटेल माघी पुन्नी मेला में हुए शामिल

रायपुर। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री उमेश पटेल गत दिवस जिला रायगढ़ के खरसिया विकासखंड के ग्राम बासनपाली में आयोजित माघी पुन्नी मेला (शबरी महोत्सव) में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने माता शबरी की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली एवं सुख-समृद्धि की कामना की। माघी पुन्नी मेला का आयोजन अड़ारह गढ़ सवरा समाज द्वारा 14 फरवरी से 16 फरवरी तक किया गया था। इस अवसर पर मंत्री श्री पटेल ने मेला स्थल के पुराने छतदार पूजा स्थल का नया निर्माण कराए जाने तथा शबरी मंदिर प्रांगण में बाउंड्रीवाल निर्माण किए जाने की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने गांव में स्कूल भवन निर्माण के लिए 20 लाख रूपए की राशि स्वीकृत होने की जानकारी दी।

भारतीयों की सुरक्षा

यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों की तरफ से फ्लाइट्स नहीं मिलने को लेकर की जा रही शिकायत के बाद सरकार एक्टिव हो गई है। सरकार ने कोरोना वायरस के कारण एयर बबल एग्रीमेंट के तहत यूक्रेन आने-जाने के लिए सीमित फ्लाइट्स संचालित करने का प्रतिबंध हटा लिया है। इंडियन एविएशन मिनिस्ट्री ने कहा कि अब यूक्रेन के लिए एयरलाइंस कितनी भी फ्लाइट्स संचालित कर सकती हैं। साथ ही स्पेशल चार्टर्ड फ्लाइट्स भी ऑपरेट की जा सकती हैं। इससे पहले छात्रों की गुहार सुनते हुए केंद्र सरकार ने बुधवार को ही भारतीय विदेश मंत्रालय के साथ ही यूक्रेन में मौजूद भारतीय दूतावास में भी स्पेशल कंट्रोल रूम बना दिए थे, जो यूक्रेन में मौजूद भारतीय नागरिकों की हर समस्या सुलझाने में मदद कर रहे हैं। यूक्रेन मसले को लेकर यूरोप में लगातार बेचैनी बढ़ती जा रही है। यूरोपीय यूनियन ने यूक्रेन स्थित दूतावास के गैर जरूरी कर्मचारियों को वापस देश लौटने के लिए कहा है। इटली के विदेश मंत्रालय ने अस्थायी तौर पर अपने नागरिकों को यूक्रेन छोडऩे के लिए कहा है। इसके अलावा डोनेट्सक, लुहान्सक और क्रीमिया क्षेत्र की यात्रा ना करने की सलाह भी दी है। तुर्की ने जरूरी ना होने पर नागरिकों को पूर्वी यूक्रेन ना जाने की सलाह दी है। नीदरलैंड्स और एस्टोनिया ने अपने नागरिकों को जल्द से जल्द यूक्रेन छोडऩे की सलाह दी है। आयरलैंड ने दूतावास के कर्मचारियों में कमी की है। विभिन्न देशों के यह अलर्ट बता रहे हैं कि रूस और यूक्रेन में तनाव कम होने की खबरें अभी पुख्ता नहीं हैं और कभी भी युद्ध भड़क सकता है। इस परिस्थिति में केंद्र सरकार का विमानों की आवाजाही पर लगा प्रतिबंध हटाना सही फैसला है। देखा जाए तो यूक्रेन में फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा गंभीर चिंता का विषय बन गई है। चिंता इसलिए भी बढ़ गई क्योंकि यूक्रेन की राजधानी कीव में भारतीय दूतावास ने इस संकटग्रस्त देश में रह रहे सभी भारतीय नागरिकों, खासतौर से छात्रों को वहां से चले जाने का परामर्श जारी कर दिया था। जाहिर है, भारतीय दूतावास हालात की गंभीरता को समझ रहा है। उसे भी लग रहा है कि अगर रूस और यूक्रेन के बीच जंग छिड़ गई तो भारतीय नागरिकों को वहां से सुरक्षित निकाल पाना आसान नहीं होगा। दूतावास की सलाह से साफ है कि जब तक हालात शांत नहीं हो जाते, तब तक वहां रहना जान को जोखिम में डालना है। हालांकि स्थितियां तो पहले से संकेत दे रही हैं कि यूक्रेन के लिए आने वाले दिन मुश्किल भरे होंगे। ऐसे में भारत सरकार की अपने नागरिकों को वहां से निकालने की पहल बिल्कुल सही समय पर की गई है। इससे भारत में अपने लोगों के लिए चिंतित लोगों को भी राहत मिलेगी। हालांकि ऐसे ही मुश्किल हालात में भारत ने पहले भी अपने लोगों को बचाया है। कुछ महीने पहले तालिबान के सत्ता हथियाने के बाद अफगानिस्तान में फंसे भारतीयों को सुरक्षित निकाला गया था। इराक में इस्लामिक स्टेट के हमलों के बाद वहां से भारतीय नागरिकों को बचाया गया था। तीन दशक पहले जब इराक ने कुवैत पर हमला कर दिया था, तब भी वहां फंसे भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया था। इसमें कोई संदेह नहीं कि संकटग्रस्त हालात में दूसरे देशों में फंसे अपने नागरिकों को बचाने में भारत सरकार के पास खासा तजुर्बा और संसाधन हैं। यूक्रेन में 18 हजार से ज्यादा भारतीय छात्र हैं।

संपादकीय

हिजाबः सिर्फ औरतें चेहरा क्यों छिपाएँ?

हिजाब के बहाने यह मुस्लिम लड़कियों को शिक्षा से वंचित करने का कुप्रयास नहीं है? ये तर्क बहुत वाजिब दिखाई पड़ते हैं लेकिन अभी कर्नाटक में हिजाब के सवाल ने जैसा सांप्रदायिक और राजनीतिक रुप धारण कर लिया है, यदि हम उससे ज़रा अलग हटकर सोचें तो यह मूलतः नर-नारी समता का सवाल है!

कर्नाटक के उच्च न्यायालय में हिजाब के मुद्दे पर अभी बहस जारी है लेकिन अंतरराष्ट्रीय इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) ने भारत के खिलाफ अपना बयान जारी कर दिया है। उसने पहले धारा 370 हटाने के विरोध में भी बयान जारी किया था। पाकिस्तान के मुल्ला-मौलवी और नेता भी एकतरफा बयान जारी करने में एक-दूसरे से आगे निकल रहे हैं। कर्नाटक की अदालत में हिजाब का पक्ष रखनेवाले वकील हिंदू हैं और वे जो तर्क दे रहे हैं, वे ऐसे हैं, जिन पर खुले दिमाग से विचार किया जाना चाहिए। उनका तर्क यह है कि जब हिंदू औरत के सिंदूर, बिंदी और चूड़ियों, सिखों की दाढ़ी-मूंछ और पगड़ी तथा ईसाइयों के क्रॉस पहनने पर कोई प्रतिबंध नहीं है तो मुस्लिम महिलाओं के बुर्के और हिजाब पर प्रतिबंध की क्या तुक है? क्या ऐसा करना पूर्णतः सांप्रदायिक कदम नहीं है? क्या यह इस्लाम और मुसलमानों पर सीधा आक्रमण नहीं है? हिजाब के बहाने यह मुस्लिम लड़कियों को शिक्षा से वंचित करने का कुप्रयास नहीं है? ये तर्क बहुत वाजिब दिखाई पड़ते हैं लेकिन अभी कर्नाटक में हिजाब के सवाल ने जैसा सांप्रदायिक और राजनीतिक रुप धारण कर लिया है, यदि हम उससे ज़रा अलग हटकर सोचें तो यह मूलतः नर-नारी समता का सवाल है! यदि हिजाब धार्मिक चिन्ह है तो इसे औरतों के साथ-साथ मर्द भी क्यों नहीं पहनते? आजकल औरत और मर्द- सभी मुखपट्टी (मास्क) पहनते हैं, वैसे ही वे हिजाब भी पहन सकते हैं। सिर्फ औरतें ही क्यों हिजाब पहनें? उनका गुनाह क्या है? और फिर मुस्लिम औरतों को ही यह सजा क्यों है

? हिंदू और ईसाई औरतें भी इसे क्यों नहीं पहनें? हिजाब, बुर्का, घूंघट, सिंदूर, बिंदी, चूड़ी, भगवान दुपट्टा आदि इनमें से किसी भी चीज को पहनने का आदेश किसी ईश्वर, अल्लाह या अहुरमज्द का नहीं है। ये सब परंपराएं मुनष्यों की बनाई हुई हैं और ये देश-काल के मुताबिक चलती हैं। हिजाब और बुर्के का औचित्य डेढ़ हजार साल पुराने अरब देश में बिल्कुल ठीक था लेकिन आज की दुनिया में इसका कोई महत्व नहीं रह गया है। यदि हिजाब और बुर्का इस्लाम का अनिवार्य अंग है तो क्या बेनज़ीर भुट्टो, मरियम नवाज शरीफ, शेख हसीना, काबुल की शहजादियां मुसलमान नहीं हैं? मैंने तो उन्हें कभी भी अपना चेहरा छिपाते हुए नहीं देखा! शरीर के गुप्तांग औरत और मर्द सभी ढकें, यह तो जरुरी है लेकिन चेहरे को छिपाए रखने की पीछे तर्क क्या है? चेहरा तो आपकी पहचान है। चेहरा तो वो ही छिपाता फिरता है, जो चोर, डाकू, तस्कर या अपराधी हो। किसी तिलक, बिंदी, चोटी, जनेऊ, दाढ़ी-मूंछ, पगड़ी, दुपट्टा, तुर्की टोपी, शेरवानी, सलवार-कमीज, गतरा (अरब), चोंगा (ईसाई), किप्पा (यहूदी टोपी) आप पहनना चाहें तो जरुर पहनें। आप अपनी मजहबी या सांप्रदायिक या जातीय पहचान का दिखावा करना चाहते हैं तो जरुर करें। लेकिन कोई भी औरत या मर्द अपना मुंह क्यों छिपाए? मुखपट्टी तो जैन मुनि भी लगाते हैं लेकिन उसका उद्देश्य अपना मुंह या पहचान छिपाना नहीं है बल्कि उनकी गर्म सांस से कोई जीव-हिंसा न हो जाए, उनका यह उद्देश्य रहता है। औरतों पर हिजाब, नकाब और बुर्का लादना तो उनकी हैसियत को नीचे गिराना है। मुस्लिम कन्याओ को छात्र-काल से ही हीनता-ग्रंथि से ग्रस्त कर देना कहां तक ठीक है? मुस्लिम कन्याओं का मनोबल भी उतना ही ऊंचा रहना चाहिए, जितना देश की अन्य लड़कियों का रहता है। क्या वे भी भारत माता की प्रिय बेटियां नहीं हैं?

बेहद अलग से दिख रहे हैं 5 राज्यों के चुनाव

क्या पाँच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनाव वाकई देश की राजनीति में नया प्रयोग का रास्ता बनने जा रहे हैं। यूँ तो अब तक इस मिथक को तोड़ नहीं जा सका है कि दिल्ली की सत्ता का रास्ता उत्तर प्रदेश से ही होकर गुजरता है। काफी हद तक सही भी है। उत्तर प्रदेश के उत्तराखण्ड में बँट जाने के बाद भी हैसियत में किसी प्रकार की कोई कमीं नहीं आई। लेकिन राजनीतिक दलों के बनते, बिगड़ते समीकरणों से नया कुछ होने के आसार से इंकार नहीं किया जा सकता है। यह तो सही है कि जीतेगा तो लोकतंत्र लेकिन सत्ता की कुर्सी पर उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में ऊँट किस करवट बैठेगा कहना मुश्किल जरूर है।

देश की राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाने वाले अकेले उत्तर प्रदेश की हैसियत 10 मार्च को किस मोड़ पर होगी, अभी कयास ही हैं। पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के हालात काफी अलग हैं। सीधी टक्कर सत्ताधारी भाजपा व सहयोगियों तथा सपा व सहयोगियों के बीच है। बसपा और काँग्रेस मैदान में जरूर हैं पर रेस में दिखते नहीं। 2017 की तरह इस बार किसी लहर का कहर न होने से बाँकी दलों की आस बची हुई है। हाँ, इस बात से इंकार नहीं कि चुनावी नतीजे 2017 से इतर होंगे। उत्तर प्रदेश की सियासत का एक अलग मिजाज है। राजनीतिक दल उम्मीदवारों को स्थानीय उम्मीदों व जातीय आधार पर तय करते हैं। अगड़े-पिछड़े और दलित मतदाताओं की भूमिका की छाप सबसे ज्यादा यहीं दिखती है। वोट कटवा, बी पार्टी, डमी कैण्डिडेट और धार्मिक मुद्दों पर जैसी संवेदनशीलता उत्तर प्रदेश में दिखा करती है, वैसी दूसरे राज्य में उतनी नहीं। इस कारण भी इस बार के चुनाव काफी अलग हैं। इस बात को भी ध्यान में रखना होगा कि अयोध्या विवाद निपटारे के बाद, तेजी से बन रहे राम मंदिर और राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का वादा कि साल 2023 में गर्भ गृह में रामलला को विराजमान होंगे चुनाव में असर डालेगा। हिजाब का मसला भी ऐन चुनावों के वक्त भले ही सोची समझी चाल या महज इत्तेफाक हो लेकिन अलग ढ़ंग से भंजाने की कोशिशें होंगी। उत्तर प्रदेश के पहले चरण और दूसरे चरण के मतदान के बाद राजनीतिक दलों के दावे कुछ भी हों लेकिन नतीजों का पिटारा खुलने के बाद ही समझ आएगा कि उत्तर प्रदेश का देश की राजनीतिक धारा मे कैसा दबदबा बना।

उत्तराखण्ड की सभी 70 व गोवा की 40 सीटों के चुनाव भी 14 फरवरी को निपट जाएंगे। यहाँ चुनाव से ठीक पहले यहाँ भी

हिजाब विवाद के बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का वादा कि भाजपा सरकार बनी तो शपथ ग्रहण के तुरंत बाद यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू कराने खातिर ड्राफ्ट कमेटी बनेगी जिसके दायरे में विवाह, तलाक, जमीन जायदाद व उत्तराधिकार के मामले भी शामिल होंगे, बड़ा राजनीतिक पैंतरा माना जा रहा है। भाजपा ने उत्तराखण्ड में बड़े-बड़े प्रयोग करते हुए चार साल के कार्यकाल में तीन मुख्यमंत्रियों बदले। धामी उनमें सबसे नए हैं। यहाँ आम आदमी पार्टी मुफ्त बिजली और दिल्ली पैटर्न का प्रचार कर अपनी जड़ें जमाने तो काँग्रेस साख बचाने के लिए संघर्षशील दिखी। लेकिन सत्ता के संघर्ष को लेकर ज्यादा कुछ बदले ऐसा लगता नहीं।

मशक्कत करनी पड़ेगी यह वक्त बताएगा। मनोहर परिंकर के बेटे उत्पल के निर्दलीय चुनाव लड़ने के बाद पणजी सीट से शिवसेना ने उम्मीदवार वापस कर भविष्य के बड़े संकेत जरूर दे दिए हैं। काँग्रेस कहाँ होगी? क्या इस बार सत्ता तक पहुँच पाएगी, इस पर संदेह सभी को है। हाँ आत्मविश्वास से लबरेज अरविन्द केजरीवाल यहाँ भी दिल?ली सरकार का उदाहरण और सरकारी सेवाओं की डोरस?टेप डिलीवरी से भृष?टाचार के पूरी तरह खात?मे का भरोसा दिलाकर 24 घंटे फ्री बिजली देने का चुनावी वायदा कितना दमदार रहा यह मतपेटियों के खुलने के बाद दिखेगा।

इस बार पंजाब की राजनीति एक त्रिकोण में जरूर फंसी दिखी। कैप्टेन अमरिंदर की काँग्रेस से विदाई और भाजपा से दोस्ती तो सिध्दू के अलग-अलग तेवरों बीच ऐन चुनाव से ठीक पहले दलित कार्ड खेलकर नए मुख्यमंत्री चन्नी को फिर से मुख्यमंत्री का चेहरा प्रोजेक्ट करना पंजाब की राजनीतिक हवा का कितना रुख बदल पाएगा नहीं पता। वहीं आम आदमी पार्टी का भी भगवन्त मान को मुख्यमंत्री प्रोजेक्ट कर मतदाताओं को लुभाना राजनीति में नया प्रयोग जरूर है। लेकिन लोकतंत्र से इतर है क्योंकि सुन्दर समुद्र तटों और एक अलग तरह के खुलेपन के लिए मशहूर गोवा में भाजपा के लिए चुनौती पेश करने की कोशिशें कितनी सफल या विफल होती हैं, नतीजे बताएंगे। लेकिन हाँ इतना जरूर है कि मनोहर परिंकर जैसे ईमानदार नेता की कमीं जरूर गोवा वासियों को टीसती रही। पहली बार टीएमसी की धमाकेदार एँट्री से राजनीतिक समीकरण शुरू में जरूर बदलते दिखे। लेकिन जल्द ही कइयों की रुखसती से बड़े करिश्मे की उम्मीद बेकार है। आम आदमी पार्टी भी यहाँ पूरी दमखम से चुनावी मैदान में दिखी जिसका फायदा तय है। लेकिन शिवसेना की गोवा में एँट्री और 10 सीटों पर उम्मीदवारी से सत्ता तक पहुँचने वालों को कितनी विधायकों के बने बिना ही हक छीनना बेजा लगता है। भाजपा और अकाली दल आज भले ही एक दूसरे के प्रतिद्वन्दी हों लेकिन दखल और धमक की अनदेखी करना बड़ी भूल होगी। पंजाब में सरकार किसी एक दल की होगी या फिर चुनावों के वक्त के बाद कट्टर विरोधी मिल जुलकर सत्ता में बैठेंगे देखने लायक होगा। लजीज पंजाबी डिशेज, मशहूर लस्सी के बीच ड्रग्स को सियासत से पंजाब की अलग बनती छवि का असर चुनावों पर असर दिख रहा है।

मणिपुर की 60 सीटों पर दो चरणों में 28 फरवरी और 5 मार्च को चुनाव होंगे। मणिपुर हिन्दू बहुल राज्य है और आखीर में चुनाव है। सो देश के नामी गिरामी चेहरों की शिरकत तय है। 28 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी होने के बाद काँग्रेस सत्ता से दूर रह गई। जबकि 21 सीटें जीत भाजपा ने स्थानीय दलों व विधायकों से गठजोड़ कर सत्ता हासिल कर ली। इस बार भाजपा गठबंधन की खास सहयोगी नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) की बगावत कितनी असरकारक होगी यह नतीजे बताएंगे लेकिन भाजपा के 19 असंतुष्टों को टिकट देकर चुनाव को रोचक जरूर बना दिया है। जबकि काँग्रेस ने सेक्युलर दलों को साथ लेकर नई रणनीति बनाई है।

श्रीरामकथा के अल्पज्ञात दुर्लभ प्रसंग

ओड़िया बैदेहीश विलास रचयिता उपेन्द्र भञ्ज में श्रीराम द्वारा बगुले तथा मुर्गे को वरदान

उपेन्द्र भञ्ज ने स्वरचित रसपञ्चक नामक ग्रन्थ में अपने वंश का परिचय देते हुए बताया कि- उनके पितामह धनञ्जय भञ्ज का परिचय लावण्यवती बैदेहीश-विलास और रसपंचक आदि ग्रन्थों में दिया गया है। धनंजय (धनञ्जय) भञ्ज उस समय एक प्रसिद्ध कवि थे और उन्होंने घुमसुर में 60 वर्ष से अधिक शासन किया। श्रीमान् अनन्त पद्मनाभजी पट्टनायक के मतानुसार- उपेन्द्र भञ्ज ई. 1701 तक जीवित थे और उपेन्द्र भञ्जज ने अपनी 28वें वर्ष की अल्पायु में बैदेही-विलास महाकाव्य (रामायण) की रचना पूर्ण कर पितामह को दिखाया था। उनके मतानुसार उपेन्द्र भञ्ज ने ई. 1698 में लगभग बैदेही-विलास महाकाव्य की रचना समाप्त कर दी थी और यदि उस समय उनकी आयु 28 वर्ष की हुई होगी, उनका जन्मकाल ई. 1670 और मृत्युकाल ई. 1720 के लगभग है। शिल्पकला के क्षेत्र में जो ख्याति एवं गौरव कोणार्क के सूर्य मंदिर को प्राप्त है, वही ख्याति और गौरव काव्यकला के क्षेत्र में बैदेही-विलास महाकाव्य को प्राप्त है। इसमें वैदेही पति श्रीराम की लीला का श्रेष्ठतम एवं सांगोपांग वर्णन है। बैदेहीश-विलास महाकाव्य के नामकरण से ही ग्रन्थ की विषयवस्तु की जानकारी प्राप्त हो जाती है। यह नामकरण बड़ा ही अर्थपूर्ण तथा विशिष्टता लिए हुए है। इस ग्रन्थ में वैदही (सीताजी) के ईश (प्राणवल्लभ) श्रीराम के विलास (लीला) का सांगोपांग वर्णन किया गया है। अतः इस ग्रन्थ का नाम यथार्थतः बैदेहीश-विलास ही रखा गया है। बैदेही-विलास में ब अक्षर का प्राधान्य-ओड़िया वर्णमाला में ब और व दोनों को प्राप्त होता है किन्तु भाषा में केवल ब ही का व्यवहार देखने को मिलता है। उपेन्द्र भञ्ज ने बैदेहीश-विलास के प्रत्येक पाद के आद्याक्षर (प्रथम अक्षर) को ब से आरम्भ किया है। यह ओड़िया भाषा और साहित्य में अद्भुत विशेषता है। इतना ही नहीं प्रत्येक छान्द के पदों की संख्या ब आद्यक है उदाहरणस्वरूप बाईस, बत्तीस, बयालीस, बावन, बासठ, बहत्तर आदि। उपेन्द्र भञ्ज ने अपने इस महाकाव्य के प्रथम छान्द में उन ग्रन्थों का उल्लेख किया, जिनके आधार पर उन्होंने अपने काव्य की रचना की है। ये हैं- वाल्मीकि रामायण, अध्यात्मरामायण, हनुमन्नाटक, रघुवंश, भोजराज-चम्पूरामायण आदि। इस

महाकाव्य में कुल बावन (52) छान्द है वे भी ब आद्यक हैं।

मानस में श्रीराम का विरह विलास तथा सीताहरण प्रसंग

श्रीरामचरितमानस में सीताहरण के पश्चात् श्रीराम को अपनी कुटिया में सीताजी को न पाकर साधारण मनुष्य की भाँति व्याकुल और दुःखी बताया गया है। लक्ष्मणजी भी श्रीराम को अनेक प्रकार से समझाते हैं तब श्रीराम लताओं और वृक्षों की पंक्तियों से सीताजी का पता पूछते हैं इनके द्वारा कोई उत्तर न प्राप्त होने पर वे अनेक सुन्दर पक्षियों, पुष्पों पशु-पक्षियों से भी सीताजी का पता पूछते हैं यथा-

हे खग मृग हे मधुकर श्रेणी। तुम्ह देखी सीता मृगनैनी।।
खंजन सुक कपोत मृग मीना। मधुप निकर कोकिला प्रबीना।।
कुंद कली दाड़िम दामिनी। कमल सरद ससि अहिभामिनी।।
बरुन पास मनोज धनु हंसा। गज केहरि निज सुनत प्रशंसा।।
श्रीफल कनक कदलि हरषाहीं। नेकु न संक सकुच मन माहीं।।
सुनु जानकी तोहि बिन आजू। हरषे सकल पाइजनु राजू।।
श्रीरामचरितमानस अरण्यकाण्ड 30.5 से 7

हे पक्षियों, हे पशुओं! हे भौरों की पंक्तियों, तुमने कहीं मृगनयनी सीताजी को देखा है? खंजन, तोता, कबूतर, हिरण, मछली, भौरों का समूह प्रवीण कोयल, कुन्दकली, अनार, बिजली, कमल, शरद का चन्द्रमा और नागिनी, वरुण का पाश, कामदेव का धनुष, हंस, गज और सिंह ये सब आज अपनी प्रशंसा सुन रहे हैं। बेल (बिल्व पत्र का फल) सुवर्ण और केला हर्षित हो रहे हैं। इनके मन में जरा भी शंका और संकोच नहीं है। हे जानकी सुनो तुम्हारे बिना ये सब आज ऐसे हर्षित हैं मानो राज पा गए हो। अर्थात् तुम्हारे अंगों के सामने ये तुच्छ, अपमानित और लज्जित थे। आज तुम्हें न देखकर ये अपनी शोभा (सुन्दरता) के अभिमान में फूल रहे हैं। इस प्रकार मानस में वर्णित ये सब पशु, पक्षी, पुष्प, चन्द्रमा, बिजली, बेल, केला, सुवर्ण आदि श्रीराम के सीताजी के पास न होने से अपनी सुन्दरता के अभिमान में गर्वित हैं तथा उन्हें सीताजी के चले जाने से प्रसन्नता है। श्रीराम ने इनके समक्ष दुःख को प्रकट करने पर कुछ भी उत्तर प्राप्त नहीं होता है।

ओड़िया बैदेहीश-विलास रचित उपेन्द्र भञ्ज रामायण में सीताहरण के प्रसंग में बगुले तथा मुर्गे को श्रीराम का वरदान

1. श्रीराम द्वारा बगुले को वरदान प्रसंग

ओड़िया बैदेहीश-विलास भाषा के रचयिता उपेन्द्र भञ्ज की रामायण में श्रीराम का सीताजी के बारे में वृक्षों-लताओं, बगुले तथा मुर्गे द्वारा दिया गया उत्तर (जानकारी) अन्य श्रीरामकथाओं (रामायणों) से हटकर अपनी विशेषताएँ लिए हैं यथा-

बके बसिथिला ध्रुप उपरे। विष्णुपदकु भजिला उत्तारे।
बलक्ष पथकु अंगरे बहि। बहन सेलम नाशन बिहि।
बकता ए गिर। बिश्राम बार्ता कहिबा सुन्दर।

औड़िया बैदेहीश-विलास रचयिता उपेन्द्र भञ्ज छान्द 31-1

बके=एक बगुला, ध्रुव=ठूँठ, विष्णुपदकु=आकाश, भजिला उतारे=उड़ने के पश्चात। बलक्षपक्ष=सफेद पंख, श्वेत पर, बहन=शीघ्र ही, बकता ए गिर=यह वचना कहा, बार्ता=प्रिया की खबर, सुन्दर=हे सुन्दर श्रीराम

PRESS
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तम्भ

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

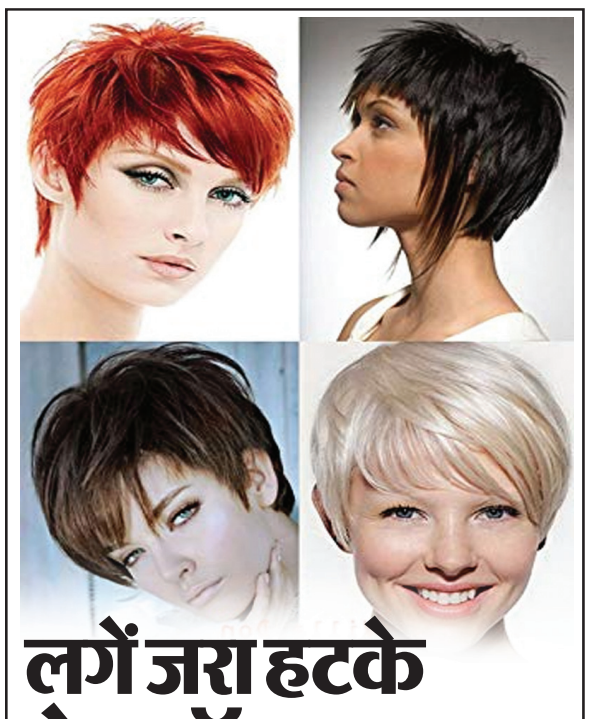

लगें जरा हटके पेजबॉय स्टाइल

पेजबॉय हेयर स्टाइल एक तरह का हेयरकट है, जो सीधे, मध्यम और लंबे बालों के लिए तैयार किया गया है। पेजबॉय हेयर स्टाइल में बाल को कान के नीचे से काटा जाता है, जहां इसे अंदर की तरफ कर्ल किया जाता है, रिवर्स पेजबॉय हेयर स्टाइल में बाल को बाहर की तरफ कर्ल किया जाता है। हेयर स्टाइल को अक्सर बैंग्स के साथ भी किया जाता है, हालांकि यह जरूरी नहीं है। एक अच्छी तरह से काटा गया पेजबॉय हेयर कट आसानी से संभाला जा सकता है। 1950 के दशक में यह एक नुकीला, स्टाइलिश लुक था, जो महिलाओं को आकर्षित करता था। किसी भी हेयर स्टाइल के साथ, पेजबॉय में कई सारे बदलाव संभव हो सकता है, कुछ इनमें से वास्तविक हेयर स्टाइल से अलग दिखते हैं। नरम लुक के लिए कुछ स्टाइलिस्ट पेजबॉय में बालों को हलके से कर्ल करते हैं, जिससे कि एक वेव्य हेयर स्टाइल बन सके, जिन लोगों के स्वाभाविक रूप से लहराते बाल होते हैं, वो भी पेजबॉय कट को अपनाते हैं। अन्य स्टाइलिस्ट अधिक संरचनात्मक पेजबॉय कांटेदार परतों के साथ बनाये थे, बजाय क्लासिक सीधे, फ्लैट पेजबॉय के साथ जोड़ कर। पेजबॉय हेयर स्टाइल का लुक चेहरे पर बहुत अच्छी तरह से सेट होता है, खासकर अगर चेहरे पर थोड़ा सा मेकअप कर लिया जाए, तो ये और भी उभर कर आता है। पेजबॉय आमतौर पर महिलाओं पर देखा जाता है, हालांकि कई अभिनेताओं को फिल्मों में पेजबॉय लुक की वजह से काम मिला है। पेजबॉय हेयर स्टाइल इस सलाह की वजह से उपयोग किया गया, जिससे कि बाल कोमल और चमकदार बने। यदि आप पेजबॉय हेयर स्टाइल का विचार कर रहे हैं, तो आप एक छवि के लिए खोज पर विचार कर सकते हैं, जिससे कि आप को एक सटीक हेयर स्टाइल मिले। हालांकि पेजबॉय एक बहुत ही बुनियादी हेयर स्टाइल है, पर अगर आप उस पर बदलाव कर रहे हैं और आप की अपनाई जाने वाली शैली का स्पष्ट होना जरूरी है। कई हेयरड्रेसर के पास हेयर स्टाइल की किताबें होती हैं, जिसमें आप विशेष मॉडल की तरह अपने बालों को काटने का अनुरोध कर सकते हैं। बालों को कटवाते समय संचार महत्वपूर्ण है, इसके द्वारा ही आप समझा सकते हैं कि आप को किस तरह का पेजबॉय हेयर स्टाइल चाहिए।

पार्टी में जा रहे हैं तो ये चीजें करने से बचें

पार्टनर के साथ किसी पार्टी या गैदरिंग में जाना आपका मूड ही रिफ्रेश नहीं करता बल्कि इससे आपका बॉन्ड भी स्ट्रॉन्ग बनता है। साथ टाइम बिताना भी हमें पार्टनर के करीब लाता है।

आपको पार्टनर के साथ महीने में 2-3 बार जरूर किसी गैदरिंग या फिर शॉर्ट ट्रिप पर जाना चाहिए। आमतौर पर पार्टनर के साथ किसी गैदरिंग में जाना प्यार और रिश्ते के लिए पॉजिटिव ही होता है लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि कुछ चीजें अनजाने में हो जाती है, जिससे कि आपके बीच दूरियां आने लगती हैं, इसलिए आपको कुछ बातों का ख्याल रखना चाहिए-

पार्टनर से ज्यादा देर दूर न रहें

पार्टी या गैदरिंग में मिलना-जुलना आम बात है लेकिन कभी भी पार्टनर को छोड़कर ज्यादा देर तक दूर न रहें। खासतौर पर अगर आपका पार्टनर आपके जान-पहचान वालों की पार्टी में आया है, तो ऐसा बिल्कुल न करें। इससे उन्हें अकेलापन या बोर होने की फीलिंग आ सकती है।

अपने दोस्तों से न मिलवाना

कई लोग ऐसे होते हैं, जो अपने दोस्तों को अपने साथ आए लोगों से नहीं मिलवाते। ऐसा करके साथ खड़े किसी भी व्यक्ति को अजीब लग सकता है। खासकर आपके पार्टनर को आपका ऐसा बिहेव बहुत अजीब लग सकता है।

एक साथ खाना शेयर न करना

हर गैदरिंग में दोस्तों और फैमिली मेम्बर का साथ जरूरी है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप पार्टनर को अकेला छोड़कर किसी और के साथ डिनर या लंच करने लग जाएं। आपको अगर दोस्तों के साथ लंच करना ही है, तो अपने पार्टनर को भी जरूर इंवाइट करें।

पार्टनर को भला बुरा कहना

कभी-कभी ऐसा होता है कि पार्टनर की किसी की बात से आपका मूड खराब हो जाता है लेकिन कोशिश करें कि जो भी बात हो, घर आकर करें। गैदरिंग में पार्टनर को किसी के सामने भला-बुरा न कहें या उनकी बुराई न करें।

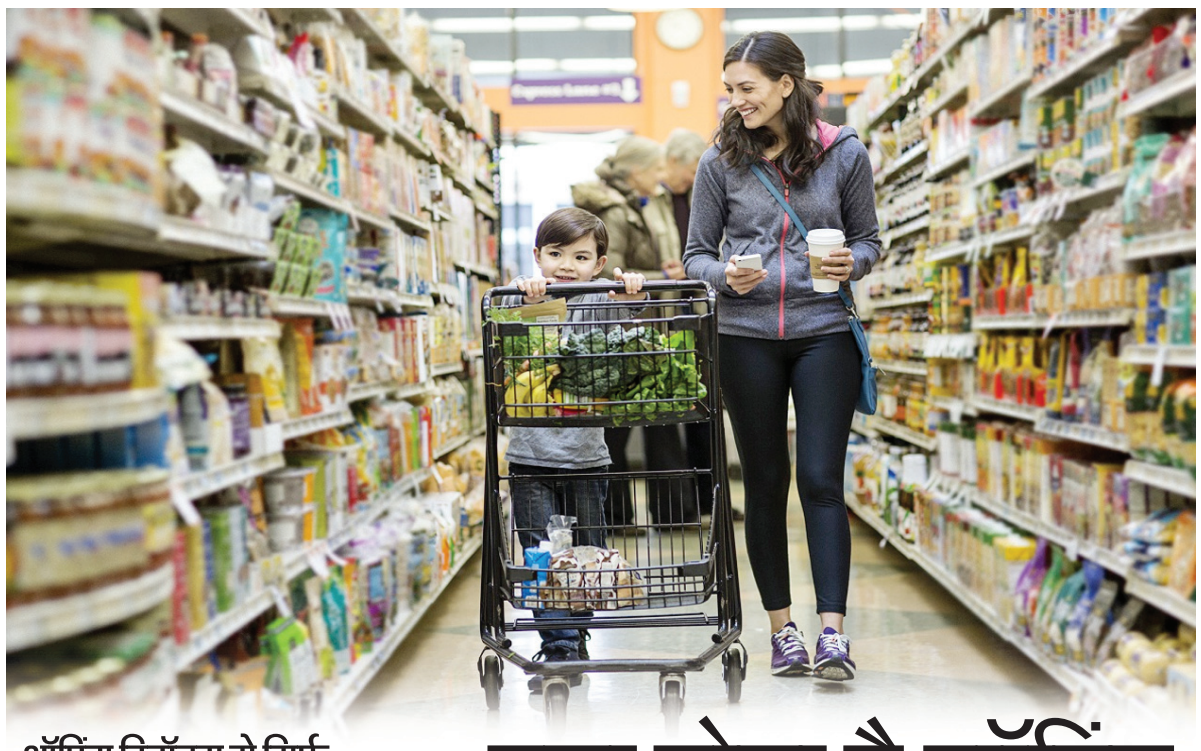

क्या होता है शॉपिंग डिटॉक्स और आपके लिए यह क्यों है जरूरी

शॉपिंग डिटॉक्स से सिर्फ पैसों की ही बचत नहीं होती, बल्कि इससे अन्य भी कई लाभ मिलते हैं।

महिलाओं के सामने जब भी शॉपिंग का नाम लिया जाता है, तो उनके चेहरे पर एक गजब की मुस्कान छा जाती है। कई बार हम जरूरी चीजों को खरीदने के लिए शॉपिंग करते हैं। वहीं जब कभी मूड ऑफ होता है तो खुद को पैम्पर करने या फिर फील गुड के लिए भी महिलाएं शॉपिंग करना पसंद करती हैं। खासतौर से, टेक्नोलॉजी की दुनिया में फोन की स्क्रीन को स्क्रॉल करते हुए शॉपिंग करना और भी ज्यादा आसान हो गया है। हालांकि, इस तरह अक्सर हम उन चीजों को भी खरीद लेते हैं, जिनकी हमें वास्तव में कोई जरूरत नहीं होती। बस हमें वह आइटम देखने में अच्छी लगती है और हम यह सोचते हैं कि इसका इस्तेमाल हम किसी ना किसी रूप में अवश्य कर लेंगे। लेकिन अमूमन ऐसा होता नहीं है और काफी सारे पैसे यूं ही बर्बाद हो जाते हैं।
यकीनन आप भी अक्सर इंप्लसिव शॉपिंग करती होंगी या फिर मार्केट जाकर खुद को खरीदारी करने से रोक नहीं पाती होंगी। अगर शॉपिंग करना आपको खुशी देता है या फिर आप केवल खुद को फील गुड करवाने के लिए शॉपिंग करती हैं तो अब वक्त आ गया है कि आप शॉपिंग डिटॉक्स का रास्ता चुनें। इससे आपको कई फायदे मिलते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि क्या है शॉपिंग डिटॉक्स और आपके लिए किस तरह हो सकता है लाभदायक-

क्या है शॉपिंग डिटॉक्स

जिस तरह जब हमारी बॉडी में टॉक्सिन बढ़ जाते हैं तो हम बॉडी को डिटॉक्स करते हैं। ठीक उसी तरह, अगर शॉपिंग के कारण आपकी लाइफ टॉक्सिक होने लगी है तो शॉपिंग डिटॉक्स करना बेहद जरूरी है। शॉपिंग डिटॉक्स के दौरान आप एक तय समय के लिए खुद पर ही लगाम लगाते हैं और खुद को बेवजह की शॉपिंग करने से रोकते हैं। यह आपके लिए फाइनेंशियली व मेंटली तौर पर कई मायनों में लाभदायक है।

पैसों की बचत

जब आप शॉपिंग डिटॉक्स का रास्ता चुनते है तो इसका सबसे पहला और सीधा लाभ यह होता है कि इसकी वजह से आपकी काफी सारी पैसों की बचत होती है। अगर आपको हर दूसरे-तीसरे दिन शॉपिंग करने की आदत है तो यकीनन आप अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा अनावश्यक चीजों को खरीदने में खर्च कर देती होंगी। लेकिन शॉपिंग डिटॉक्स के दौरान आप अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा बेहद आसानी से बचा पाती हैं।

बेवजह तनाव से मुक्ति

कुछ महिलाओं को ऐसा लगता है कि शॉपिंग से उन्हें खुशी मिलती है। लेकिन वास्तव में, जब आप शॉपिंग करके बेवजह पैसे खर्च करते हैं तो महीने के अंत में आपको तनाव होता है, क्योंकि जरूरी खर्चों के लिए भी आपके पास पैसे नहीं बचते हैं। वहीं, अत्यधिक शॉपिंग से आपका बजट पूरा बिगड़ जाता है। लेकिन जब आप शॉपिंग डिटॉक्स करते हैं तो आपके काफी सारे पैसों की बचत होती है, जिससे बेवजह तनाव से मुक्ति मिलती है और अंततः आप अधिक हैप्पी महसूस करते हैं।

खुशियों के रास्ते

कुछ महिलाओं की आदत होती है कि वह खुद को लो फील करने पर शॉपिंग करती हैं। शॉपिंग करने से उन्हें फील गुड होता है और वह अधिक हैप्पी महसूस करती हैं। हो सकता है कि थोड़े पैसे खर्च करके खुशी प्राप्त करने में आपको शायद कोई बुराई नजर ना आती हो। लेकिन हैप्पीनेस के लिए शॉपिंग पर निर्भर रहना सही नहीं है। जब आप शॉपिंग डिटॉक्स करते हैं तो कुछ वक्त के लिए आपको एंग्जाइटी महसूस होती है। लेकिन लगातार ऐसा करने से आपकी निर्भरता शॉपिंग से कम होती है और आप खुद को खुश रखने के लिए कुछ अतिरिक्त रास्ते खोज लेती हैं।

सेल्फ कंट्रोल

कहते हैं कि किसी भी चीज की अति क्षति का कारण बनती है। ऐसा ही कुछ आपकी शॉपिंग की आदत के साथ भी होता है। अगर आपको शॉपिंग करना इतना अच्छा है कि आप चाहकर भी खुद को रोक नहीं पाती हैं, तो ऐसे में आपको शॉपिंग डिटॉक्स का रास्ता अपनाना चाहिए। इसका लाभ यह होता है कि इससे आपको सेल्फ कंट्रोल करने में मदद मिलती है। इस तरह, आप बाहरी चीजों के हाथ में नहीं होते हैं, बल्कि अपनी सुविधानुसार उन्हें हैंडल करना सीख जाते हैं।

रसोई में कभी न करें ये गलती

- दूध उबालते समय उसे धीमी आंच पर रख कर पकाएं। क्योंकि दूध उबलने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसके अलावा इससे पैसों की कमी की भी होती है और परिवार के लोग भी बीमार रहने लगते हैं।
- आज के इस स्टैंडिंग किचन के जमाने में महिलाएं स्लैब पर ही रोटी बेल लेती हैं लेकिन इसका गलत असर सेहत पर पड़ता है। इसलिए रोटी हमेशा लकड़ी के चकले पर ही बेल कर बनाएं। इससे धन लाभ के साथ-साथ बीमारियां भी दूर होंगी।
- रसोई घर को मां अन्नपूर्णा माना जाता है। इसलिए कोई भी काम करने के बाद किचन को साफ जरूर करें। इसके अलावा गैस को भी कभी गंदा न रखें। इससे घर में दलिद्रता फैलती है।
- रसोई की सजावट करने के लिए आप श्री कृष्णा का मक्खन खाते हुई कोई तस्वीर लगा सकते है। इससे किचन के साथ घर में भी सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।
- घर का मेन गेट और किचन को कभी भी आमने-सामने न बनाएं। इससे घर में पाचन संबंधी बीमारियां फैलती है। किचन को हमेशा मेन गेट से दूर बनाएं और उसे हमेशा ढक कर रखें।

हर महिला अपना ज्यादातर समय किचन में ही गुजारती है। महिलाएं अपने परिवार के लिए हेल्दी और स्वादिष्ट खाना बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ती। टेस्टी खाना बनाने के साथ-साथ महिलाएं किचन की साफ सफाई का भी पूरा ध्यान रखती है लेकिन इसके बावजूद भी वो अनजाने में कुछ गलतियां कर देती है। आपके द्वारा की गई यह छोटी-मोटी गलतियां घर में नकारात्मक ऊर्जा और पैसों की कमी का कारण बन सकती है। इसके अलावा कुछ गलतियों के कारण आपके परिवार की हेल्थ पर भी असर पड़ता है। आज हम आपको ऐसी ही कुछ गलतियों के बारे में बताने जा रहें है जो महिलाओं को नहीं करनी चाहिए।

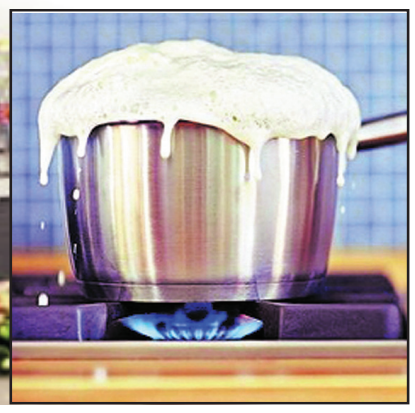

बालों में कलर कराने जा रहे हैं या अक्सर कराते हैं तो कुछ बातों का ख्याल जरूर रखें

हेयर कलर कराना आजकल ट्रेंड में है। कई बार बालों की सफेदी छुपाने के लिए तो कभी लुक बदलने के लिए लोग हेयर कलर कराते रहते हैं। लेकिन किस तरह का कलर कराना चाहिए, बालों को अधिक नुकसान तो नहीं होगा जैसी जानकारी होनी भी जरूरी है, ताकि बाद में किसी तरह की समस्या न हो।

हेयर कलर कराते वक्त किन बातों का ख्याल रखना जरूरी होता है, साथ ही फैशन कलर और ग्रे कवरेज कलर करा रहे हैं तो इसके बाद कैसे बालों की देखभाल करें, इन सबकी जानकारी होना आवश्यक है।

उम्र के अनुसार चुनाव

आजकल फैशन में भी बालों में रंग लगाया जाता है। लेकिन इन्हें भी उम्र के अनुसार चुनें। युवा हैं तो फैशन कलर, जैसे रेड, ब्राउन, गोल्डन करा सकते हैं। उम्र में बड़े हैं और बाल सफेद हैं तो ब्लैक, ब्राउन रंगों का चुनाव कर सकते हैं।

गुणवत्ता से न हो समझौता

युवा बदल-बदल के कलर कराते रहते हैं। ऐसे में अक्सर ये सोचते हैं कि मंहगा कलर क्यों कराना जब कुछ ही समय में दूसरा कलर कराएंगे। यही ग्रे कवरेज वाले सोचते हैं और सफेद बालों पर सस्ता रंग करा लेते हैं, जो कि बालों को नुकसान पहुंचाता है। इसलिए हमेशा अच्छी कंपनी का कलर ही कराएं। कोशिश करें कि हर्बल कलर हो, ताकि नुकसान की गुंजाइश कम से कम रहे।

इन आधार पर कराएं

बाल सुंदरता में बड़ी भूमिका अदा करते हैं। इसलिए कलर हमेशा चेहरे, बालों की लंबाई और प्रोफेशन के अनुसार ही कराएं। शालीनता भरी जगह कार्य करते हैं और फंकी कलर कराएंगे तो हो सकता है आपको खुद में अजीब लगे। इसलिए सभी बातों का ख्याल रखकर बाल कलर कराएं।

रंग का बचाव

कुछ लोगों को 1-2 दिन छोड़कर ही बाल धोने की आदत होती है। इस कारण बालों से रंग जल्दी निकल जाता है, खासतौर पर फैशन कलर। इसलिए बालों को कम धोएं, हफ्ते में एक या जरूरी होने पर दो बार धोएं। धूप में निकलने पर बालों को कवर जरूर करें अन्यथा रंग जल्दी निकल जाता है।

नैप टैस्ट कराएं

कभी भी पूरे बालों पर एक साथ कलर न कराएं, बल्कि थोड़े बालों पर कराकर देखें। इससे आप समझ पाएंगे कि आप पर रंग कैसा लग रहा है। पूरे बाल कलर कराने के बाद रंग पसंद न आने पर मुश्किल हो सकती है।

देखभाल की जानकारी

अगर फैशन कलर करा रहे हैं तो बालों की जड़ों से 1-2 इंच ऊपर से कराएं। इससे बालों को कम नुकसान होता है। अगर सफेद बालों पर कलर कर रहे हैं तो जड़ों से ही होगा। ऐसे में कलर किए बालों के लिए अलग से शैम्पू, कंडीशनर आदि आते हैं, उन्हीं का इस्तेमाल करें।

प्रेसिडेंट फ्लीट रिव्यू से पहले ब्रह्मोस की टेस्टिंग

देश की सेवा में नेवी के 75 साल पूरे, राष्ट्रपति के सामने 21 को होगी पनडुब्बियों-वॉरशिप्स की परेड

विशाखापत्तनम

विशाखापत्तनम में 21 फरवरी को होने वाले प्रेसिडेंट फ्लीट रिव्यू के लिए इंडियन नेवी की तैयारियां तेज हो गई हैं। इंडियन नेवी के देश की सेवा में 75 साल पूरे होने जा रहे हैं, इसलिए इस बार का फ्लीट रिव्यू बेहद खास बनाने की तैयारी है। इसी कारण राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के सामने 100 से भी ज्यादा पनडुब्बियों और वॉरशिप्स की इस परेड से पहले नेवी ने शुक्रवार को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की टेस्ट फायरिंग की है। यह टेस्ट फायरिंग वेस्टर्न सी में ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज वॉरशिप INS विशाखापत्तनम से की गई। इसके बाद वॉरशिप को विशाखापत्तनम बंदरगाह पर डॉक किया गया है।

इंडियन नेवी ने सोशल मीडिया पर साझा किया वीडियो

टेस्ट फायरिंग का वीडियो ट्विटर पर इंडियन नेवी ने साझा किया है। कैप्शन में लिखा है कि राष्ट्रपति फ्लीट रिव्यू भारतीय नौसेना के 75 साल पूरे होने पर मनाया जा रहा है। यह आत्मनिर्भर भारत और आजादी का अमृत महोत्सव है। वीडियो को यूजर्स ने बहुत ज्यादा पसंद और शेयर किया है।

प्रेसिडेंट फ्लीट रिव्यू में कई बड़े नेता होंगे शामिल

PFR (प्रेसिडेंट फ्लीट रिव्यू) में 21 फरवरी को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर के तौर पर शामिल होंगे। उनके अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, आंध्र प्रदेश के ष्टरू जगन मोहन रेड्डी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी शामिल होंगे। इस दौरान भारतीय नौसेना का %मिलन-2022% प्रोग्राम भी आयोजित होगा, जिसके लिए 20 फरवरी से 5 मार्च तक शहर में कड़ी सुरक्षा रखी जाएगी।

हर देश में है प्रेसिडेंट फ्लीट रिव्यू की परंपरा

PFR (प्रेसिडेंट फ्लीट रिव्यू) लंबे समय से चली आ रही परंपरा है, जिसका पालन दुनिया भर की नौसेनाएं करती हैं। फ्लीट रिव्यू के लिए, नौसेना और तटरक्षक बल के लगभग 60 जहाजों और पनडुब्बियों जहाज के साथ-साथ 50 हवाई वाहक और विमान भाग लेने के लिए तैयार किए गए हैं। भारतीय नौवहन निगम, राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान, पनडुब्बियों जहाज कार्यक्रम में भाग लेगें।

45 से ज्यादा देश मिलन-2022 में भाग ले सकते हैं

फ्लीट रिव्यू के बाद बाइनियल मल्टीलेटरल (द्विवार्षिक बहुपक्षीय) नेवी मिलिट्री मीट %मिलन-2022% का भी आयोजन होगा। इंडियन नेवी ने बताया कि 45 से अधिक देशों को मिलन-2022 में भाग लेने के लिए निमंत्रण दिया गया है। यह मीटिंग बहुत सकारात्मक और उत्साहजनक होने वाली है और इसमें बड़ी संख्या में मित्र देशों के दल और वॉरशिप्स के भाग लेने की उम्मीद है।

1995 में हुई थी मिलन कार्यक्रम की शुरुआत

भारत ने 1995 में अंडमान के निकोबार में मिलन कार्यक्रम की शुरुआत की थी। यह शुरुआत चार तटवर्ती नौसेनाओं की भागीदारी के साथ हुई थी। मिलन 2022 इस आयोजन का ग्यारहवां संस्करण है और इसे पूर्वी नौसेना कमान के निरीक्षण में आयोजित किया जाएगा।

यूक्रेन-रूस युद्ध की कगार पर:यूक्रेन का आरोप-

रूस समर्थक विद्रोहियों ने स्कूल पर गोले दागे; रूस बोला- यूक्रेनी फोर्सेस ही कर रहीं हमला

मॉस्को/कीव

पूर्वी यूरोप में रूस और यूक्रेन के बीच जारी तनाव अब अपने चरम पर पहुंच गया है। दोनों देशों ने एक दूसरे पर हमले का आरोप लगाया है। यूक्रेन का कहना है कि गुरुवार को रूस समर्थक अलगाववादियों ने उसके डोनबास क्षेत्र के एक गांव में स्कूल पर गोले दागे। इस हमले में 3 लोगों के घायल होने की खबर है। वहीं, रूसी मीडिया ने अलगाववादियों के नेता लियोनिद पासेचनिक के हवाले से यूक्रेनी आर्म्ड फोर्सेस पर लुहान्स्क क्षेत्र में आम नागरिकों पर हमले का आरोप लगाया।

रूस हमले के लिए झूठा बहाना गढ़ सकता है

अमेरिकी अधिकारी पहले ही आशंका जता चुके हैं कि रूस फाल्स फ्लैग ऑपरेशन का बहाना लेकर यूक्रेन पर हमला कर सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन भी दोनों देशों के बीच युद्ध की आशंका जाहिर कर चुके हैं। रूस ने यूक्रेन बॉर्डर से अपनी सैनिकों के वापसी की बात कही है, लेकिन अमेरिका को अब भी उस पर भरोसा नहीं है। बुधवार को व्हाइट हाउस के संबोधन में बाइडेन ने कहा- हम रूस के वादों और दावों पर फिलहाल, भरोसा नहीं कर सकते।

UNSC में रूस पर बरसे एंटनी ब्लिंकन

यूक्रेन तनाव को लेकर कल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी बैठक हुई। इस बैठक में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने रूस पर आक्रामक गतिविधियों का जारी रखने का आरोप लगाया। ब्लिंकन ने कहा- अमेरिकी खुफिया विभाग के पास पुख्ता जानकारी है कि रूस यूक्रेन पर हमला करेगा। अगर ऐसा नहीं है तो मॉस्को इसका ऐलान करे। रूस ने अमेरिकी डिप्लोमैट बार्ट गोर्मन को मॉस्को एम्बेसी से निकाल दिया है। अमेरिका के एक अधिकारी ने इसे भड़काऊ कदम बताते हुए साफ कर दिया कि अमेरिकी किसी भी मामले में पीछे हटने वाला नहीं है। उन्होंने कहा- यह तो साफ तौर पर तनाव बढ़ाने वाला कदम है। इन तरीकों के इस्तेमाल से डिप्लोमैटिक सॉल्यूशन नहीं खोज सकते।

लॉयड ऑस्टिन और जेन्स स्टोलटेनबर्ग की मुलाकात

यूक्रेन तनाव के मद्देनजर अमेरिका के रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने ब्रसेल्स में नाटो हेड जेन्स स्टोलटेनबर्ग से मुलाकात की। लॉयड ऑस्टिन ने कहा- रूस अभी भी यूक्रेन बॉर्डर के नजदीक अपने सैनिकों की तैनाती बढ़ा रहा है। रूसी सैन्य तैयारियों में वॉर प्लेन को भी जोड़ा जा रहा है और युद्ध के दौरान घायल होने वाले सिपाहियों के लिए ब्लड का स्टॉक भी किया जा रहा है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने अमेरिका की इन सभी आशंकाओं को खारिज किया है। पेसकोव का कहना है कि सैनिकों वापसी जारी है, इस तरह की कामों में वक्त लगता है। सैनिक हवा में नहीं उड़ सकते हैं। वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने एक बार फिर स्पष्ट किया कि नाटो की सदस्यता उनके देश की दीर्घकालिक सुरक्षा के लिए जरूरी है।

मैं स्वीट आतंकी और भगत सिंह का चेला:पंजाब में बोले अरविंद केजरीवाल- केंद्र ने चन्नी से शिकायत मंगवाई

« 1-2 दिन में एनआईए केस दर्ज करेगी

पंजाब

खालिस्तान समर्थक कहे जाने पर आम आदमी पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने विरोधियों पर पलटवार किया है। पंजाब के बठिंडा में केजरीवाल ने कहा कि मैं स्वीट आतंकी हूं। जो लोगों के लिए अस्पताल-स्कूल बनाकर देता है। बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा पर भेजता है। केजरीवाल ने

खुद को शहीद ए आजम भगत सिंह का चेला बताया। केजरी बोले कि 100 साल पहले अंग्रेजों ने उन्हें आतंकवादी कहा था। 100 साल बाद इतिहास खुद को दोहरा रहा है। आज उनके सबसे बड़े चेले को आतंकवादी कहा जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने ष्टरू चरणजीत चन्नी को फोन कर शिकायत मंगवाई। अब मुझे एक अफसर से खबर मिली है कि मेरे खिलाफ 1-2 दिन में राष्ट्रीय जांच एजेंसी FIR दर्ज करेगी। मैं सब FIR का स्वागत करता हूं। अगर इस तरह से केंद्र सरकार सुरक्षा को डील करेगी तो यह चिंताजनक है।

कुमार विश्वास पर तंज, कवि ने कविता सुनाई

केजरीवाल ने कहा कि उनके खिलाफ सब विरोधी इकट्ठे हो गए हैं। देश में कॉमेडी चल रही है कि 10 साल से केजरीवाल देश के 2 टुकड़े करने का प्लान बना रहा है। इनमें से एक टुकड़े का वह PM बन जाएगा। इसका मतलब मैं बहुत बड़ा आतंकवादी हूं।

न्यूज ब्रीफ

कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो पर बरसे अरबपति एलन मस्क

वॉशिंगटन/ओटावा

ओटावा में ट्रक चालकों के प्रदर्शन का समर्थन कर रहे दुनिया के सबसे अमीर अरबपति एलन मस्क के कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की तुलना जर्मन तानाशाह एडोल्फ हिटलर से करने पर बवाल मच गया है। एलन मस्क ने ट्विटर पर एक मीम शेयर किया और ट्रूडो की तुलना की क्रूर तानाशाह हटिलर से की। इस ट्वीट पर सोशल मीडिया में बवाल मच गया और एलन मस्क ने बाद में उसे डिलीट कर दिया।

इस ट्वीट में एलन मस्क काइन डेस्क के उस ट्वीट पर जवाब दे रहे थे जिसमें कहा गया था कि कनाडा की सरकार उन क्रिप्टो ट्रांजेक्शन पर कार्रवाई कर रही है जिसके जरिए कनाडा के ट्रक चालकों की मदद की जा रही थी। इस ट्वीट के जवाब में एलन मस्क ने हिटलर का मीम ट्वीट करते हुए लिखा, मेरी तुलना हिटलर से करना बंद करो। इस ट्वीट के करीब 12 घंटे बाद एलन मस्क ने लोगों कड़ी आलोचना के बाद उसे डिलीट कर दिया।

यहूदियों ने एलन मस्क से माफी की मांग की

इस ट्वीट पर अमेरिका की यहूदी समिति ने एक बयान जारी करके मस्क की कड़ी आलोचना की। समिति ने एक बयान जारी करके कहा कि एलन मस्क ने एक बार फिर से सोशल मीडिया पर अपनी बात रखने के लिए हिटलर का जिक्र करके बहुत गलत फैसला लिया है।% समिति ने मस्क से मांग की कि वह माफी मांगे और अपनी नाखुशी को जताने के लिए कोई और रास्ता तलाश करें।

केपी ओली की शरण में पहुंचे नेपाली प्रधानमंत्री

काठमांडू

चीन बनाम अमेरिका की जंग से एक बार फिर से नेपाल सियासी भंवर में फंसता दिखाई दे रहा है। नेपाल में सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल सीपीएन माओवादी के नेता पुष्प कमल दहल प्रचंड के सरकार से अलग होने की चेतावनी के बाद अब प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की शरण में पहुंच गए हैं। यह पूरा विवाद अमेरिका के मिलेनियम चैलेंज कॉरपोरेशन को लागू लेकर हो रहा है जिसका चीन समर्थक गुट विरोध कर रहा है। प्रचंड की चेतावनी के बाद देउबा सरकार ने एमसीसी को संसद में पेश करने के फैसले को टाल दिया है। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक सत्तारूढ़ गठबंधन में समझौते की संभावना को खत्म होता देख पीएम देउबा ने सीपीएन यूएमएल के नेता केपी शर्मा ओली से मुलाकात की है।

अमेरिका के कैलिफोर्निया स्टेट विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ने इस्तीफा दिया

लास एंजिलिस (अमेरिका)। अमेरिका की सबसे बड़े विश्वविद्यालय तंत्र, कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी(सीएसयू) के कुलाधिपति ने यौन शोषण के आरोप के मामलों को सही तरीके से नहीं सुलझाने के आरोप लगाए जाने के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। सीएसयू न्यासी बोर्ड की ओर से कहा गया कि जोसफ आई. कास्त्रो ने बृहस्पतिवार को त्यागपत्र दे दिया। कास्त्रो ने एक बयान में इसे अपने पेशेवर जीवन का सबसे कठिन फैसला करार दिया है। उन्होंने इन खबरों के बाद यह कदम समय उठाया कि कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, फ्रेस्नो के अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने एक वरिष्ठ अधिकारी के विरुद्ध यौन उत्पीड़न तथा अन्य मामलों को सही प्रकार से नहीं निपटाया।

संयुक्त अरब अमीरात के पुरातत्वविदों ने देश की सबसे प्राचीन बिल्डिंग की खोज की है। पुरातत्वविदों ने बताया कि यह इमारत 8500 साल पुरानी है। यह बिल्डिंग इससे पहले मिली इमारत से भी 500 साल ज्यादा पुरानी है। अबूधाबी के संस्कृति और पर्यटन विभाग ने इस शानदार खोज की जानकारी दी है। यह प्राचीनतम इमारत अबू धाबी शहर के पश्चिम में स्थित घाघा द्वीप पर मिली है।

भारत की डिजिटल स्ट्राइक से चीन परेशान

केंद्र सरकार ने बैन किए 54 मोबाइल ऐप्स; चीन बोला- हमारी कई कंपनियों को भारी नुकसान हुआ

बीजिंग

भारत में सुरक्षा कारणों से 54 मोबाइल चीनी ऐप्स पर पाबंदी लगाए जाने के बाद चीन ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। चीन ने भारत के इस फैसले पर चिंता जताते हुए कहा कि भारत के इस फैसले के बाद कई चीनी कंपनियों के उनके अधिकारों और हितों को नुकसान पहुंचा है। इसके साथ ही चीन ने ये उम्मीद भी जताई है कि चीनी कंपनियों सहित सभी विदेशी निवेशकों के साथ भारत पारदर्शी, निष्पक्ष और बिना भेदभाव के काम करेगा। चीन के वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता गाओ फेंग ने भारत के इस कदम पर कहा, %भारतीय अधिकारियों ने हाल ही में चीनी कंपनियों और उसके उत्पादों पर रोक लगाने के कई उपाय किए हैं, जिसके कारण चीनी कंपनियों के वैध अधिकारों और हितों को काफी नुकसान पहुंचा है। यह देखने में आया है कि चीनी कंपनियों सहित विदेशी इंवेस्टर भी भारत में इंवेस्ट के माहौल को लेकर काफी चिंतित हैं। विदेशी इंवेस्टर ने भारत में रोजगार के काफी अवसर बनाए हैं और भारत के आर्थिक विकास में योगदान दिया है।

वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने अपने बयान में कहा कि चीन और भारत सिर्फ एक पड़ोसी देश ही नहीं बल्कि महत्वपूर्ण आर्थिक और व्यापारिक सहयोगी भी हैं। बता दें कि दोनों देशों के बीच 2021 में व्यापार 125.7 अरब डॉलर के करीब पहुंच।

सरकार ने 54 चीनी ऐप्स बैन किए

भारत सरकार ने पिछले मंगलवार को चीन के ऊपर डिजिटल स्ट्राइक करते हुए 54 स्मार्टफोन ऐप्स को देश में बैन कर दिया था। इन सभी ऐप्स से भारत की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा हो रहा था। बैन किए गए ऐप्स में पॉपुलर गेम गरेना फ्री फायर और ऐपलॉक ऐप भी शामिल है।

रूस के लिए महाविनाशक होगी यूक्रेन पर NATO से जंग, अमेरिका ने तैनात कर रखे हैं 100 परमाणु बम

कीव/मास्को

यूक्रेन के साथ जारी तनाव पर अमेरिका के नेतृत्व वाले नाटो देशों को परमाणु जंग की धमकी दे रहे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की राह आसान नहीं होने जा रही है। अमेरिका ने यूरोप के 5 देशों में 100 परमाणु बम बिल्कुल तैयार हालत में रखे हुए हैं। ये देश हैं- बेल्जियम, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड और तुर्की। यही नहीं इन परमाणु बमों को दागने के लिए अमेरिका ने एफ-16 समेत अन्य लड़ाकू विमानों को भी यूरोपीय अड्डों पर तैनात कर रखा है। इसके अलावा अमेरिका ने यूक्रेन तनाव को देखते हुए अपने क्रू-52 परमाणु बॉम्बर को भी ब्रिटेन के हवाई ठिकाने पर भेजा है। अमेरिका अपने नए परमाणु बम क्ब61-12 को भी बहुत तेजी से तैयार कर रही है जिसे साल 2023 तक यूरोप में भी तैनात कर दिया जाएगा। ये परमाणु बम अमेरिका के सबसे घातक एफ-35 लड़ाकू विमानों से गिराए जा सकते हैं। अमेरिका ने यूरोप की यह किलेबंदी रूस के नाटो देशों पर हमले के खतरे को देखते हुए काफी लंबे समय से कर रखी है। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन का मुख्य सिद्धांत है कि सामूहिक रक्षा की जाए। इसका मतलब यह हुआ कि कोई तीसरा देश अगर नाटो देशों पर हमला करता है तो प्रत्येक सदस्य को उसकी रक्षा के लिए आगे आना ही होगा। अगर रक्षा पर खर्च की बात करें तो अमेरिका ने नाटो के अन्य सदस्य देशों के कुल रक्षा खर्च का

दोगुना खर्च किया है। साल 2021 में अमेरिका का रक्षा बजट 705 अरब डॉलर रहा। रक्षा के क्षेत्र में सबसे ज्यादा पैसा बहाने के साथ- साथ अमेरिका के पास महाविनाशक हथियार और एक विशाल सेना भी मौजूद है। साल 2017 में अमेरिका के पास 13 लाख सक्रिय सैनिक थे और 865000 सैनिक रिजर्व में थे। नाटो देशों में ब्रिटेन सबसे ज्यादा रक्षा खर्च करने में दूसरे नंबर पर है। इसके बाद जर्मनी, फ्रांस और इटली का नंबर आता है। अगर रूस के ताकत की बात करें तो पुतिन के नेतृत्व में रूस दुनिया के शक्तिशाली मुल्कों की श्रेणी में शामिल है। वॉशिंगटन स्थित हेरिटेज फाउंडेशन के मुताबिक रूस के हथियारों के जखीरे में 336 अंतरमहाद्वीपीय मिसाइलें, 2840 टैंक, 5,220 हथियार बंद वाहन और 4,684 तोपें हैं। हालांकि अभी कुछ आधुनिक तकनीकों जैसे ड्रोन, रेडॉर, सैटलाइट से निगरानी के मामले में पीछे चल रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

सुनील गावस्कर का बड़ा बयान, बोले- आईपीएल के कारण इंटरनेशनल क्रिकेट में खिलाड़ी नहीं करते ज्यादा मेहनत

नई दिल्ली। सुनील गावस्कर का बड़ा बयान, बोले- आईपीएल के कारण इंटरनेशनल क्रिकेट में खिलाड़ी नहीं करते ज्यादा मेहनत महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने आशंका जताई है कि आईपीएल के कारण कुछ खिलाड़ी घरेलू और इंटरनेशनल क्रिकेट में अपना पूरा दम नहीं लगाते, ताकि वे चोटिल होकर टूर्नामेंट से बाहर न हो जाएं। उन्होंने कहा, %नीलामी सभी खिलाड़ियों के लिए जिंदगी बदलने वाली होती है, क्योंकि ये उनके और उनके परिवार के लिए एक सुरक्षित भविष्य के रास्ते खोलती है। ऐसे में इसकी भी आशंका बनी रहती है कि कई खिलाड़ी अपनी राष्ट्रीय टीमों के लिए खेलते हुए उतनी ज्यादा मेहनत न करें, खास तौर पर जब आईपीएल आस-पास ही हो।%

फाफ डु प्लेसिस बन सकते हैं RCB के नए कप्तान

बेंगलुरु। रॉयस चैलेंजर्स बेंगलुरु ने फाफ डु प्लेसिस को टीम का नया कप्तान बना सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, RCB के एक सूत्र ने बयान जारी कर कहा- हम मैक्सवेल की उपलब्धता पर सफाई का इंतजार कर रहे थे। अब, यह निश्चित है कि वह पहले कुछ मैचों में नहीं खेलेंगे, ऐसे में फाफ हमारे लिए सही ऑप्शन हो सकते हैं। RCB ने ¥æ§üÂè°Ü मेगा ऑक्शन में उन्हें 7 करोड़ में खरीदा है।

विक्की ओस्तवाल बोले- दिल्ली के लिए ज्यादा मौका नहीं मिलेगा, सीनियर खिलाड़ियों से सीखने को उत्सुक

नई दिल्ली। विक्की ओस्तवाल को दिल्ली की टीम ने 20 लाख रुपए में अपनी टीम से जोड़ा है। विक्की ओस्तवाल को दिल्ली की टीम ने 20 लाख रुपए में अपनी टीम से जोड़ा है। ¥æ§üÂè°Ü की नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा बने भारत की अंडर-19 विश्व चैंपियन टीम के स्पिनर विक्की ओस्तवाल को इस टी-20 लीग के आगामी सत्र में काफी मौके मिलने की संभावना नहीं है, लेकिन वह अपने पहले सत्र में सीनियर खिलाड़ियों से सीखने को लेकर उत्सुक हैं। ओस्तवाल ने आईपीएल वेबसाइट पर डाले गए वीडियो में कहा, %मुझे यकीन नहीं है कि मुझे खेलने का मौका मिलेगा या नहीं, लेकिन सीखने का मौका हमेशा मिलता है। कुछ शानदार खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना मेरे लिए सीखने के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण होगा।

महिपाल लोमरोर ने कहा अंदाजा नहीं था RCB का हिस्सा बन पाउंगा

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए महिपाल लोमरोर बड़ा रोल निभा सकते हैं, लेकिन नीलामी के दिन से पहले तक खुद महिपाल को इसका अंदाजा नहीं था कि किस्मत उन्हें इस टीम तक ले जाएगी। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि नीलामी से पहले उनकी RCB में किसी से भी कोई बात नहीं हुई थी और उन्हें बोली की उम्मीद नहीं थी। हैरानी की बात है कि उन्होंने मुझे खरीद लिया। मैंने कभी RCB के लिए ट्रायल भी नहीं दिया था। मैं थोड़ा हैरान था। नीलामी के बाद माइक हेसन सर ने मुझे कॉल

जोकोविच की लापरवाही की हद : वर्ल्ड के नंबर वन टेनिस खिलाड़ी बोले- वैक्सीन नहीं लगवाऊंगा, चाहे सारे खिताब कुर्बान करने पड़े

वर्ल्ड के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने ब्ब्ब्ष्ट को दिए गए एक इंटरव्यू में कहा है कि वह किसी भी स्थिति में कोरोना की वैक्सीन नहीं लगवाएंगे। वह अपने फैसले की हर संभव कीमत चुकाने के लिए भी तैयार हैं। उन्होंने कहा है कि अगर उन्हें भविष्य में होने वाले किसी भी टेनिस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेने दिया जाए तो भी वह वैक्सीन नहीं लगवाएंगे।

सवाल- क्या वैक्सीन के लिए विंबलडन और फ्रेंच ओपन जैसे टूर्नामेंट भी छोड़ने को तैयार हैं?

जवाब- मैं वैक्सीन का विरोधी नहीं हूं, लेकिन इसे लगवाने या न लगवाने का फैसला व्यक्तिगत होना चाहिए। इसे थोपा नहीं जाना चाहिए। अगर वैक्सीन नहीं लगवाने की कीमत विंबलडन और फ्रेंच ओपन जैसे टूर्नामेंट में नहीं खेलना है तो मैं यह कीमत चुकाने के लिए तैयार हूं।

सवाल- आप सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने के मौके को क्यों गंवा रहे हैं?

जवाब- मेरे फैसले मेरे सिद्धांतों से जुड़े हुए हैं। मेरे लिए मेरा शरीर किसी भी टाइटल से ज्यादा जरूरी है। मैं कभी वैक्सीन के विरोध में नहीं रहा, लेकिन मैं उस स्वतंत्रता को समर्थन देता हूं जिसमें आप यह तय करें कि आपको कोई चीज अपने शरीर में डलवानी है या नहीं।

बता दें कि जोकोविच अब तक 20 गैंड स्लैम खिताब जीत चुके हैं। इस साल हुए ऑस्ट्रेलियन ओपन के पहले तक सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने के मामले में वह राफेल नडाल और रोजर फेडरर के साथ टॉप पर थे। अब राफेल नडाल 21 ग्रैंड स्लैम के साथ इस लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए हैं।

दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी को ऑस्ट्रेलिया ओपन खेलने की इजाजत नहीं मिली थी। वे दसवां ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीतने का ख्वाब लेकर ऑस्ट्रेलिया पहुंचे थे। जोकोविच के वैक्सीन विवाद को लेकर चर्चित खेल पत्रकार क्रिस्टी डोरान ने दैनिक भास्कर से कहा था कि जोकोविच के खिलाफ कड़ा फैसला लेकर ऑस्ट्रेलिया की सरकार खुद को मजबूत दिखाना चाहती है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया में रह रहे भारतीय मूल के पत्रकार जितार्थ भारद्वाज का कहना था कि यह लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ा मामला है, इसीलिए जोकोविच पर सख्ती की गई।

न्यूजिलेंड के खिलाफ सीरीज हारी टीम इंडिया

» भारतीय महिला टीम लगातार तीसरा मुकाबला हारी, झूलन की शानदार गेंदबाजी भी नहीं आई काम

नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरा वनडे मैच भी हार गई है। मैच में न्यूजीलैंड ने भारत को 3 विकेट से हराया। तीसरे वनडे में भारत ने न्यूजीलैंड के सामने 280 रन का लक्ष्य रखा था, जिसे मेजबान टीम ने 49.1 ओवर में 7 विकेट खोकर हासिल कर लिया। पहले वनडे में न्यूजीलैंड ने भारत को 62 रन और दूसरे वनडे में भी 3 विकेट से हराया था।

भारत ने बनाए थे 279 रन

तीसरे वनडे में भारतीय महिला क्रिकेट में 2019 के बाद पहली बार पहले विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी की। शेफाली वर्मा ने 57 गेंदों पर 51 रन बनाए तो मेघना ने 61 रन की पारी खेली। ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने भी 69 रनों की पारी खेली। 3 अर्धशतकों की मदद से भारत की टीम 49.3 ओवरों में 279 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

झूलन गोस्वामी की शानदार गेंदबाजी भी नहीं दिला पाई भारत को जीत

280 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम को तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने सिर्फ 14 रन के स्कोर पर दो झटके दिए। उन्होंने दोनों सलामी बल्लेबाजों को पवेलियन भेज दिया था, लेकिन इसके बाद एमी केर (67) और एमी सटर्थवैट (59) के बीच बेहतरीन साझेदारी हुई, जिसने मैच का रुख बदला। इन दोनों की साझेदारी के बाद भारत ने 171 रन पर न्यूजीलैंड के 6 विकेट गिरा दिए थे, लेकिन लॉरेन डाउन ने 64 रनों की पारी खेली और कीवी टीम को जीत दिला दी।

आखिरी ओवर तक चला रोमांच

न्यूजीलैंड को आखिरी दो ओवरों में जीत के लिए 18 रनों की जरूरत थी, लेकिन झूलन गोस्वामी ने 12 रन दे दिए। इससे कीवी टीम के लिए 50वें ओवर में लक्ष्य आसान हो गया और लॉरेन ने आखिरी ओवर की पहली ही गेंद पर बड़ा शॉट खेलकर वनडे सीरीज न्यूजीलैंड टीम के नाम कर दी।

आईपीएल शुरू होने से पहले विवादों में घिरी सनराईजर्स हैदराबाद, असिस्टेंट कोच ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली

आईपीएल के 15वें सीजन को शुरू होने में अभी कुछ समय है। पर हैदरबाद फ्रेंचाइजी के लिए अभी से ही एक मुसीबत सामने आ गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सनराईजर्स हैदराबाद के असिस्टेंट कोच साइमन कैटिच ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। कैटिच ने इस्तीफा देने के पीछे की वजह भी बताई है। साइमन कैटिच ने सनराईजर्स हैदराबाद टीम पर आरोप लगाते हुए कहा कि फ्रेंचाइजी ने मेगा ऑक्शन के दौरान पहले से बनाए गए प्लान को नहीं अपनाया। फ्रेंचाइजी ने ऑक्शन वाले दिन कैटिच की सभी योजानाओं को नकार दिया। यही वजह है कि वह अब इस फ्रेंचाइजी के साथ और काम नहीं करना चाहते। यह पहला मौका नहीं जब कि सनराईजर्स की टीम विवादों में आई हो। इससे पहले भी सनराईजर्स हैदराबाद की टीम विवादों में आ चुकी है। हैदराबाद की टीम सबसे ज्यादा विवादों में तब आई जब टीम को आईपीएल का खिताब जिताने वाले डेविड वार्नर को कप्तानी से हटा दिया गया। इसके पीछे फ्रेंचाइजी ने उनकी खराब फॉर्म का हवाला दिया।

ऐसी है सनराईजर्स की टीम

रिटेन = केन विलियमसन (14 करोड़), अब्दुल समद (4 करोड़), उमरान मलिक (4 करोड़)

बल्लेबाज = निकोलस पूरन (10.75 करोड़), प्रियम गर्ग (20 लाख), राहुल त्रिपाठी (8.5 करोड़), एडेन मार्कराम (2.6 करोड़), आर समर्थ (20 लाख), विष्णु विनोद (50 लाख), ग्लेन फिलिप्स (1.50 करोड़)।

हिकारु नाकामुरा बने फीडे ग्रां प्री शतरंज 2022 के पहले विजेता

बर्लिन,जर्मनी

फीडे ग्रां प्री सीरीज के पहले पड़ाव बर्लिन ग्रां प्री के फाइनल मे हमवतन लेवोन अरोनियन को टाईब्रेक मुक़ाबले मे 2-0 से मात देकर यूएसए के हिकारु नाकामुरा विजेता बन गए है । इसके साथ ही फीडे कैंडीडेट के बचे हुए दो स्थानो मे उन्होने अपना मजबूत दावा पेश कर दिया है । नाकामुरा और अरोनियन के बीच फाइनल में खेले गए दोनों क्लासिकल मुक़ाबले बराबरी पर समाप्त हुए थे और इसके बाद दोनों के बीच दो रैपिड टाईब्रेक के मुक़ाबले खेले गए । सबसे पहले मुक़ाबले में सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए नाकामुरा नें राय लोपेज ओपनिंग में 61 चालों तक चले हाथी के एंडगेम में अरोनियन को हराया और 1-0 से आगे हो गए । फिर दूसरे मुक़ाबले में उन्होने काले मोहरो से हंगरियन डिफेंस में करो या मरो की स्थिति में फसे अरोनियन को 51 चालों में पराजित करते हुए 2-0 के स्कोर से अपना पहला फीडे ग्रां प्री खिताब हासिल कर लिया ।

बिहार के साकिबुल गनी ने डेब्यू मैच में ही बनाई ट्रिपल सेंचुरी, मिजोरम के खिलाफ बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

बिहार

रणजी ट्रॉफी में बिहार के 22 साल के बल्लेबाज साकिबुल गनी ने अपने पहले ही मुकाबले में तिहरा शतक जड़ दिया है। वह पूरी दुनिया में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू करते हुए तिहरा शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बने हैं। इसी के साथ वो रणजी ट्रॉफी में डेब्यू करते हुए सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। साकिबुल गनी ने अपना तिहरा शतक 387 गेंदों पर 50 चौके लगाते हुए पूरा किया। उन्होंने मिजोरम के खिलाफ ये कारनामा किया है। इससे पहले ये रिकॉर्ड मध्यप्रदेश के बल्लेबाज अजय रोहेरा के नाम था। उन्होंने 2018-19 के रणजी सीजन में हैदराबाद के खिलाफ खेले मुकाबले में ये कमाल किया था। उन्होंने 267 रन बनाए थे।

महाराष्ट्र के पवन शाह ने रणजी डेब्यू में ही जड़ दिया दोहरा शतक:- महाराष्ट्र के पवन शाह ने अपने रणजी डेब्यू में ही दोहरा शतक जड़ दिया है। उन्होंने असम के खिलाफ ये शानदार पारी खेली। इसी के साथ वो रणजी ट्रॉफी में दोहरा शतक जड़ने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं। इस लिस्ट में शाह से पहले गुंडप्पा विश्वनाथ जैसे दिग्गज खिलाड़ी का भी नाम था। पवन ऐसा करने वाले 11वें बल्लेबाज हैं। उनसे पहले चंडीगढ़ के बल्लेबाज अर्सलन खान ने भी रणजी डेब्यू में दोहरा शतक लगाया था। उनके बाद पवन ने ये कारनामा किया है।

गुजरात के अर्जन नागवासवाला ने मध्य प्रदेश के खिलाफ झटके पांच विकेट:- गुजरात के अर्जन नागवासवाला ने आज मध्य प्रदेश के खिलाफ मुकाबले में पांच विकेट अपने नाम कर लिए हैं। अर्जन लेफ्ट आर्म तेज गेंदबाज हैं। वो काफी समय तक टीम इंडिया के नेट बॉलर रहे हैं। वहीं, मध्यप्रदेश के शुभम शर्मा शतक बनाने से चूक गए। उन्होंने 92 रनों की शानदार पारी खेली। मध्यप्रदेश के लिए रजत पाटीदार ने भी 54 रनों की पारी खेली।

अजिंक्य रहाणे का शानदार शतक

रणजी ट्रॉफी में मुंबई और सौराष्ट्र के बीच खेले जा रहे मैच में अजिंक्य रहाणे ने फॉर्म में वापसी कर ली है। मैच के दूसरे दिन वो 129 रन बनाकर आउट हुए। रहाणे ने 290 गेंदों में ये पारी खेली। लंबे समय से आउट ऑफ फॉर्म चल रहे मुंबई के रहाणे के लिए ये शतक बहुत खास है। अगले महीने से श्रीलंका के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जानी है और इस सीरीज के लिए रहाणे के चयन पर सस्पेंस बना हुआ है। ऐसे में उन्होंने टीम का ऐलान होने से पहले अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा सयुंक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle), ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

त्रुटिपूर्ण प्रमाणीकरण से जैविक कपास पर संकट

नई दिल्ली। क्या भारत से निर्यात की जाने वाली जैविक कपास सच में जैविक है? यह एक ऐसा सवाल है, जो जैविक कपास के प्रमाणीकरण पर लटका हुआ है। कृषि उत्पादों के निर्यात के लिए नोडल एजेंसी-कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) द्वारा हाल ही में एक प्रमुख प्रमाणीकरण एजेंसी का लाइसेंस निलंबित करने के बाद यह सवाल उठा है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब एक आंतरिक जांच में इस बात का खुलासा हुआ कि यह एजेंसी-टीक्यू सर्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ने उत्पादक समूहों (जो किसान उत्पादक संगठनों या एफपीओ के समान होते हैं) की गैर-जैविक कपास को जैविक कपास के रूप में प्रमाणित कर दिया था। कुछ विशेषज्ञों के अनुसार भारत सालाना करीब 1,20,000 टन जैविक कपास का निर्यात करता है, जिसमें से अधिकांश को नियुक्त एजेंसियों द्वारा प्रमाणित किया जाता है। सूत्रों ने कहा कि इस एजेंसी ने देश भर के 150 से अधिक उत्पादक समूहों द्वारा उत्पादित गैर-जैविक कपास को जैविक रूप में प्रमाणित कर दिया, लेकिन बाद में इसे मानकों से कम पाया गया। इनमें से कई उत्पादक समूह कपास का उत्पादन करने वाले प्रमुख राज्यों मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र के थे। यह मामला पिछले साल दिसंबर में उस समय सामने आया, जब नैशनल प्रोग्राम फॉर ऑर्गेनिक प्रमोशन (एनपीओपी) अंतर्गत एक आकलन समिति द्वारा की गई एक औचक जांच में पाया गया कि इस प्रमाणीकरण एजेंसी ने न केवल गैर-जैविक तरीकों से उत्पादिक कपास को जैविक रूप में मंजूरी दी थी, बल्कि बीटी कपास को भी जैविक रूप में प्रमाणित कर दिया गया था। जांच में पाया गया कि प्रमाणित करने वाली इस एजेंसी ने जिन किसानों को उत्पादक समूहों के रूप में सूचीबद्ध किया था, उनमें से कुछ केवल कागजों पर ही मौजूद थे और वास्तविक किसान इस बात से अनभिज्ञ थे कि वे उन एफपीओ का हिस्सा हैं, जो केवल जैविक कपास वालों के लिए थे। समिति ने यह भी पाया कि जिन किसानों ने इन उत्पादों को बेचा (मंडियों), उन्हें इसे जैविक कपास के रूप में नहीं बेचा था। एनपीओपी की इस समिति ने यह निष्कर्ष निकाला कि चूंकि इन उत्पादक समूहों द्वारा उत्पादित कपास ने निर्धारित मानक पूरे नहीं किए हैं, इसलिए इसे जैविक नहीं कहा जा सकता है। कुछ विशेषज्ञों ने कहा कि आकलन समिति ने यह भी पाया कि एजेंसी द्वारा जैविक के रूप में दावा किया गया क्षेत्र, जैविक नहीं पाया गया था। इस जांच के बाद, एपीडा ने उस प्रमाणन एजेंसी का लाइसेंस रद्द कर दिया है और उस पर भारी जुर्माना लगाया है। अलबत्ता कई विशेषज्ञों ने कहा कि मामला यहीं खत्म नहीं हो जाता है। उन्होंने कहा कि निर्यात और यहां तक ??कि घरेलू खपत के लिए भी जैविक उत्पादों का प्रमाणीकरण लंबे समय से समस्या वाला क्षेत्र रहा है। वर्ष 2014 के बाद से गैर-जैविक उत्पादों को गलत तरीके से जैविक के रूप में वर्गीकृत करने या अनुपालन मानदंडों में विफल रहने के लिए कई प्रमाणन एजेंसियों को निलंबित या प्रतिबंधित किया जा चुका है।

ज्यादा सैलरी का विरोध : एपल सीईओ टिम कुक की सैलरी 743 करोड़ रूपए, शेयर होल्डर्स फर्म ने कहा कंपनी की एनुअल मीटिंग में करें विरोध

नई दिल्ली

एक शेयर होल्डर्स एडवाइजर फर्म ने एपल के शेयर होल्डर्स को सीईओ टिम कुक के सैलरी पैकेज का विरोध करने के लिए कहा है। फर्म ने कहा है कि शेयर होल्डर्स को टिम कुक के 99 मिलियन (743 करोड़ रूपए) सैलरी का विरोध करना चाहिए। इंस्टीट्यूशनल शेयरहोल्डर सर्विसेज रॉकविल ने एक रिपोर्ट में कहा कि जिस प्रकार से एपल के शेयर की कीमत बढ़ी है उस हिसाब से सीईओ टिम कुक का संतोषजनक प्रदर्शन नहीं रहा है। वहीं आईएसएस (ड्ढस्स्) ने शेयर होल्डर्स से 4 मार्च को कंपनी की एनुअल मीटिंग में सैलरी पैकेज का विरोध करने की बात कही है।

सैलरी के लिए यूज होता है स्टॉक का बड़ा भाग

कॉर्पोरेट एग्जीक्यूटिव के सैलरी पेमेंट का बड़ा हिस्सा अक्सर स्टॉक के विकल्प के रूप में दिया जाता है। अक्सर कंपनी में अच्छा काम करने पर प्रोत्साहन देने के लिए इंसेंटिव के रूप में भी स्टॉक का यूज होता है। पिछले साल कुक को 82 मिलियन का स्टॉक पुरस्कार के रूप में दिया गया था। इसके साथ ही 12 मिलियन कैश बोनस और 3 मिलियन सैलरी के साथ कई कंपनसेशन दिया गया था।

टिम कुक के जॉइनिंग के बाद बढ़ी मार्केट वैल्यू

10 साल पहले स्टीव जॉब्स के बाद टिम कुक ने APPLE जॉइन किया था। 750 मिलियन अवार्ड लेने के बाद कुक को पहली सैलरी मिली थी। कुक की कुछ लोगों ने विरोध करते हुए यह अनुमान लगाया था कि स्टीव जॉब्स के बाद एपल कमजोर हो जाएगी । 2011 के बाद शेयर होल्डर्स का 1,000 फीसदी से अधिक रिटर्न मिला है। वहीं कंपनी का मार्केट वैल्यू 2.8 ट्रिलियन (21 लाख करोड़ रूपए) हो गया है।

एपल ने पिछले महीने फाइलिंग में बताया है कि वह कुक को कितना पेमेंट कर चुकी है। Apple 2022 में पहले ही टिम कुक को एक पैकेज का पेमेंट कर चुकी है। सितंबर में उन्हें रिस्ट्रिक्टेड स्टॉक का पुरस्कार के रूप में दिया है जो लगभग 750,000 से शेयरों का पैसा हो सकता है।

स्पेस ट्रिप के लिए टिकट बुकिंग

वर्जिन गैलेक्टिक ने स्पेस ट्रैवल के लिए टिकट बुकिंग शुरू की, किराया 3.5 करोड़ रुपए

नई दिल्ली

स्पेस टूरिज्म के लिए 2021 का साल काफी अहम रहा। रिचर्ड ब्रैनसन और जेफ बेजोस जैसे अरबपतियों ने अपनी-अपनी स्पेस कंपनी के स्पेसक्राफ्ट में ट्रैवल कर स्पेस टूरिज्म की शुरुआत की थी। स्पेस ट्रिप के लिए टिकटों की बुकिंग भी की गई थी। अब नए साल में रिचर्ड ब्रैनसन की कंपनी वर्जिन गेलेक्टिक ने एक बार फिर अंतरिक्ष की यात्रा करने के इच्छुक लोगों के लिए टिकटों की बुकिंग शुरू की है। इसकी कीमत लगभग 3.5 करोड़ रुपए है। अगर आपका आवेदन मंजूर हो जाता है तो आपको एडवांस में 1.12 करोड़ रुपए जमा करने होंगे, जिसमें से 18 लाख रुपए नॉन रिफंडेबल हैं।

2022 के अंत तक कमर्शियल फ्लाइट शुरू होगी

नवंबर 2021 तक, वर्जिन गेलेक्टिक के पास अपने पूल में 700 के करीब ग्राहक थे। कंपनी की योजना 2022 के अंत तक अपनी कमर्शियल फ्लाइट शुरू करने की है। तब तक वो कम से कम 1000 ग्राहक कर लेना चाहती है। वर्तमान में वर्जिन गेलेक्टिक के पास फिलहाल केवल एक स्पेस प्लेन है। कंपनी दो और स्पेस प्लेन- वीएसएस इमेजिन और वीएसएस इंस्पायर पर काम कर रही है। वीएसएस इमेजिन की टेस्ट फ्लाइट इस साल शुरू होने की उम्मीद है, जबकि वीएसएस इंस्पायर अभी भी निर्माणाधीन है।

स्पेस ट्रिप की कुल अवधि 90 मिनट

इस स्पेस ट्रिप के लिए, वर्जिन गेलेक्टिक अपने स्पेस प्लेन वीएसएस यूनिटी का उपयोग करेगा। वीएसएस यूनिटी को कैरियर एयरक्राफ्ट वीएमएस ईव के जरिए 50,000 फीट की ऊंचाई तक ले जाया जाएगा। इसके बाद वीएमएस ईव से वीएसएस यूनिटी को स्पेस के लिए लॉन्च किया जाएगा। यूनिटी में छह यात्रियों और दो पायलटों की क्षमता है। इस स्पेस ट्रिप की कुल अवधि 90 मिनट की है। अंतरिक्ष विमान के अंदर लोग कुछ मिनटों के भारहीनता का अनुभव कर सकेंगे और पृथ्वी को भी स्पेस से देख सकेंगे।

अन्य कंपनियां भी स्पेस टूरिज्म की रेस में

ब्रैनसन एकमात्र अरबपति नहीं हैं जो स्पेस ट्रिप ऑफर कर रहे हैं। अमेजन के जेफ बेजोस भी स्पेस कंपनी ब्लू ओरिजिन के मालिक हैं। उन्होंने पिछले साल अपनी कंपनी के स्पेसक्राफ्ट से स्पेस में उड़ान भरी थी। वर्जिन को स्पेस पर्सपेक्टिव जैसी कंपनियों से भी टक्कर मिल रही है, जो हाइड्रोजन से भरे गुब्बारे से 8 लोगों को ले जाएगा। यह 6 घंटे की उड़ान होगी। लेकिन यह धरती से सिर्फ 20 मील ऊपर उठता है, जो कार्मन लाइन से काफी नीचे हैं।

पूर्व एनएसई प्रमुख पर छापेमारी

कर चोरी की जांच

- छापेमारी वित्तीय अनियमितता और कथित कर चोरी के आरोपों की जांच और सबूत जुटाने के लिए हुई
- छापेमारी गुरुवार देर शाम तक जारी थी और मिले दस्तावेज एवं अन्य सबूतों की जांच के बाद बयान जारी होगा
- रामकृष्णा के 'हिमालयन योगी' की सलाह से वर्ष 2013 से 2016 तक एनएसई में अहम फैसले लेने का खुलासा

नई दिल्ली

वित्त मंत्रालय के अधिकारियों के नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के प्रमुख विक्रम लिमये से मिलने के अगले ही दिन आयकर विभाग ने एक्सचेंज की पूर्व प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्याधिकारी चित्रा रामकृष्णा और समूह परिचालन अधिकारी आनंद सुब्रमण्यन के परिसरों में छापेमारी की। यह छापेमारी उनके खिलाफ कर चोरी की जांच के तहत की गई है। यह छापेमारी रामकृष्णा के हिमालयन योगी की सलाह से वर्ष 2013 से 2016 तक एनएसई में अहम फैसले लेने के खुलासे के एक सप्ताह बाद की गई है। रामकृष्णा हिमालयन योगी से कभी नहीं मिली, जिसने सुब्रमण्यन को सीओओ नियुक्त करने और नियमित वेतन वृद्धि देने का निर्देश दिया था। रामकृष्णा को वर्ष 2016 में अल्गो ट्रेडिंग घोटाले में भूमिका और सुब्रमण्यन की नियुक्ति में अधिकारों के दुरुपयोग के कारण एनएसई से हटा दिया गया था। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने रामकृष्णा और अन्य पर सुब्रमण्यन की मुख्य रणनीतिक सलाहकार के रूप में नियुक्ति और उन्हें समूह परिचालन अधिकारी और एमडी का सलाहकार बनाने में प्रशासनिक नियमों की अनदेखी का आरोप लगाया था।

एमएसएमई : जिला स्तर पर सुलझेंगे भुगतान में देरी के मामले

नई दिल्ली

सूक्ष्म, लघु व मझोले उदयमी (एमएसएमई) भुगतान मिलने में देरी की समस्या से जूझ रहे हैं। सरकार इस समस्या को जिला स्तर पर ही सुलझाने की योजना बना रही है। इसके लिए तहत जिला स्तर पर एमएसएमई फेसिलिटेशन सेंटर खोले जाएंगे। अभी तक ये सेंटर राज्य स्तर पर थे। केंद्र सरकार नई राष्ट्रीय एमएसएमई नीति बना रही है। केंद्र सरकार के एमएसएमई विभाग ने इस नीति के मसौदे को अपनी वेबसाइट पर जारी कर इस पर 28 फरवरी तक सुझाव मांगे हैं। इस मसौदे में प्रतिस्पर्धात्मकता, प्रौद्योगिकी उन्नयन, क्लस्टर और बुनियादी ढांचे के विकास, एमएसएमई उत्पादों की खरीद और समर्पित ऋण सहायता को बढ़ावा देने के लिए कई उपायों के प्रस्ताव शामिल है। नई राष्ट्रीय एमएसएमई नीति के मसौदे में एमएसएमई को बढावा देने के लिए जिला स्तर पर उपाय करने पर जोर दिया गया है। एमएसएमई को भुगतान में होने वाली देरी के समाधान के लिए राज्य स्तर पर फेसिलिटेशन सेंटर स्थापित किए गए हैं। इन सेंटर तक खासकर संबंधित राज्य के दूर-दराज या छोटे शहरों के कारोबारियों की पहुंच आसान नहीं होती है। इस समस्या को देखते हुए नई नीति में जिला स्तर पर फेसिलिटेशन सेंटर बनाने का प्रस्ताव है। तकनीक उन्नयन को बढावा देने के लिए मसौदा नीति में कहा गया है कि देश भर में जिला स्तर पर एमएसएमई टूल रूम स्थापित किए जाने चाहिए। मसौदे में एमएसएमई क्षेत्र में प्रौद्योगिकी विकास और अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए एक केंद्रित संस्थान स्थापित करने की सिफारिश की गई है। निर्यातकों और आयातकों की समस्याओं को सुलझाने के लिए मदद करने मसलन अनुबंधों को लागू करने की शर्तों, गैर-न्यायिक कार्यों जैसे अनुबंधों का मसौदा तैयार करने, तकनीकी-कानूनी औपचारिकताओं के लिए सलाह आदि के लिए जिला स्तर पर सस्ती कानूनी सहायता प्रदान की जानी चाहिए।

हफ्ते के आखिरी दिन बाजार में तेजी:सेंसेक्स 150 पॉइंट्स बढ़कर 58 हजार के पार पहुंचा, बैंकिंग शेयर्स का मिल रहा है सपोर्ट

नई दिल्ली

शेयर बाजार में हफ्ते के आखिरी दिन आज तेजी है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 150 पॉइंट्स बढ़ कर 58,031 पर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स आज 404 पॉइंट्स नीचे 57,488 पर खुला था। दोपहर तक इसने 58,085 का ऊपरी और 57,488 का निचला स्तर बनाया। इसके 30 शेयर्स में से 15 बढ़त में और 15 गिरावट में हैं। बढ़ने वाले प्रमुख स्टॉक में मारुति, NTPC, टाटा स्टील, लार्सन एंड टुब्रो, पावरग्रिड, HDFC, रिलायंस इंडस्ट्रीज और अल्ट्राटेक सीमेंट हैं।

टेक महिंद्रा और विप्रो नीचे

गिरने वाले प्रमुख शेयर्स में विप्रो, टेक महिंद्रा, HDFC बैंक, HCL टेक, इंफोसिस और बजाज फाइनेंस 1-1 फीसदी तक गिरे हैं। नेस्ले, ञ्जष्टस्, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, सनफार्मा, डॉ. रेड्?डी, ICICI बैंक और एशियन पेंटस भी नीचे हैं। एयरटेल. SBI.

117 शेयर्स अपर सर्किट में

सेंसेक्स में लिस्टेड कंपनियों में 117 के शेयर्स अपर और 157 के लोअर सर्किट में कीमतों में एक तय सीमा से ज्यादा का उतार-चढ़ाव नहीं हो सकता है। लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 261.58 लाख करोड रुपए है. जो कल 261.72 लाख

24 शेयर्स बढ़त में

निफ्टी के 50 शेयर्स में से 24 बढ़त में और 26 नीचे कारोबार कर रहे हैँ। बढ़ने वाले प्रमुख शेयर्स में कोल इंडिया, UPL, मारुति, NTPC और महिंद्रा एंड महिंद्रा हैं। गिरने वालों में सिप्ला, विप्रो, नेस्ले, HDFC बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट हैं। इससे पहले गुरुवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 104 पॉइंट्स गिर कर 57,892 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 17 अंक नीचे 17,304 पर बंद हुआ। यूक्रेन और रूस के बीच हालात खराब होने से गुरुवार को अमेरिका का डाऊ जोन्स एक्सचेंज 1.78 फीसदी गिरकर 34,312 पर आ गया। S&P 2.12 फीसदी की गिरावट के साथ 4,380 पर बंद हुआ। जबकि नैस्डैक कंपोजिट इंडेक्स 2.88 फीसदी फिसलकर 13,716 पर पहुंच गया। डाव जोंस में 30 नवंबर 2021 के बाद सबसे बडी गिरावट दर्ज की गई. वहीं नैस्डैक 3

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र।
आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)